आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ठ 12 मूल्य: 2 ₹

डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

झारखंड: हेमंत सोरेन की कुर्सी खतरे में!

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 33 ● नई दिल्ली ● 18 से 24 अगस्त 2024

|| विजयशंकर चतुर्वेदी ||

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली झारखंड सरकार में मंत्री सोरेन कथित तौर पर भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं। सूत्रों के अनुसार, राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रोम भी सोरेन के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

ऐसी भी अटकलें हैं कि झामुमो के कई अन्य विधायक भी हेमंत सोरेन का साथ छोड़ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, झामुमो के ये प्रमुख नेता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं। हालांकि, दोनों पार्टियों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इस तरह की बैठक की संभावना ने चुनावी राज्य में हलचल मचा दी है। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया गया था।

सियासी गलियारे में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन व पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम के दिल्ली में होने की खबरें उड़ीं, लेकिन चंपाई तब जमशेदपुर में थे। जमशेदपुर में इस संबंध में पूछे गए सवालों पर चंपाई ने कहा कि अभी उनका राजनीतिक जीवन बहुत लंबा है। कुछ भी कहना मुश्किल है। उन्होंने ऐसे कई अन्य सवालों को मुस्कुराते हुए टाल दिया। चंपाई के इस बयान के बाद झारखंड की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन यूसील माइंस में एक मजदूर की मौत के मामले में सीएमडी से मिलने पहुंचे थे। लगभग एक घंटे तक सीएमडी और अन्य अधिकारियों से मजदूर के परिजन को नौकरी और मुआवजा देने पर बात हुई। वहां से निकलने के बाद चंपाई सोरेन जादूगोड़ा स्थित झामुमो कार्यालय पहुंचे। वहां पर पत्रकारों से बातचीत की। भाजपा

शेष पृष्ठ 2 पर

चुनाव आयोग ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के लिए विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की। जम्मू-कश्मीर में 5 चरणों में चुनाव होंगे। वहीं हरियाणा में एक चरण में चुनाव संपन्न होंगे। दोनों ही राज्यों के नतीजे एक ही दिन 4 अक्टूबर को आएंगे। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में चुनाव होंगे। पहला चरण 18 सितंबर को होगा। जबकि दूसरा चरण 25 सितंबर और तीसरा 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा में एक चरण में 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। दोनों ही राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे। हरियाणा में विधानसभा चुनाव 90 सीटों के लिए होंगे, जिनमें से 73 सामान्य और 17 अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं।

इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के साथ दोनों चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. संधू भी मौजूद रहे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सबसे पहले कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव विश्व स्तर पर सबसे बड़ी चुनाव प्रक्रिया थी। यह सफलतापूर्वक और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इसने पूरे लोकतांत्रिक विश्व के लिए एक बहुत मजबूत लोकतांत्रिक धरातल तैयार किया, यह बिना किसी हिंसा के शांतिपूर्ण रहा और

शेष पृष्ठ 2 पर

चेहरा कोई हो मैं साथ दूंगा क्योंकि मुझे गद्दारों को जवाब देना है

|| उमेश जोशी ||

महाविकास आघाडी की बैठक में उद्धव ठाकरे ने ऐलान करते हुए कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव राज्य के आत्मसम्मान की रक्षा की लड़ाई होंगे। उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद को लेकर कहा कि महा विकास अघाड़ी का CM चेहरा तय हो, मैं उसका समर्थन करूंगा। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) अपना सीएम चेहरा सुझाएं, मैं उसका समर्थन करूंगा क्योंकि हमें महाराष्ट्र की बेहतरी के लिए काम करना है और मैं इन '50 खोखों' और 'गद्दारों' को जवाब देना चाहता हूं कि

लोग हमसे चाहते हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाविकास आघाडी गठबंधन के कार्यकर्ता महाराष्ट्र के गौरव और सम्मान की रक्षा के लिए अपने निजी हितों से ऊपर उठकर काम करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन के दूत बनें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं घोषणा करता हूँ कि चाहे वक्फ बोर्ड हो या कोई मंदिर या कोई अन्य धार्मिक संपत्ति, मैं किसी भी कीमत पर उन संपत्तियों को किसी को भी हाथ नहीं लगाने दूँगा। यह मेरा वादा है। यह सिर्फ बोर्ड का सवाल नहीं है। यह हमारे मंदिरों का भी मामला है, जैसा कि शंकराचार्य कहते हैं कि केदारनाथ से 200 किलो सोना चोरी हुआ है। इसकी भी जांच होनी चाहिए।

ठाकरे ने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन के अनुभव के बाद हमारा मानना है कि हमें गठबंधन में सबसे ज्यादा विधायक वाली पार्टी को सीएम पद देने की नीति नहीं अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले कई चुनावों में भाजपा के साथ गठबंधन में हमने अनुभव किया

शेष पृष्ठ 2 पर

सात दशक की आर्थिक आजादी सामाजिक न्याय के लक्ष्य को हासिल कर पाये हैं?

|| प्रदीप शर्मा ||

पूरा देश स्वतंत्रता का उत्सव उल्लास व उत्साह से मना रहा है। इस आजादी के लिये लाखों लोगों ने त्याग-बलिदान किया। हम आज जो स्वतंत्रता की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह अनमोल है। जिसकी रक्षा करना हर भारतीय का पहला कर्तव्य है। हमारी उदासीनता और राजनीतिक-सामाजिक विद्रूपताओं की अनदेखी की कीमत हमें ही चुकानी पड़ती है। हाल के दिनों में हमारे पड़ोसी देशों में लोकतंत्र की उत्कट अभिलाषा और रक्त रंजित संघर्ष लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक कीमत को दर्शाते हैं।

बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान में लोग अपनी लोकतांत्रिक आजादी के लिए सड़कों पर उतरे और निरंकुश सत्ता का प्रतिकार किया। भारत में भी विपक्ष गाहे-बगाहे लोकतांत्रिक मूल्यों की लक्ष्मण रेखा के अतिक्रमण की बात करता है। निश्चित रूप से लोकतंत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष के सामंजस्य और तालमेल से ही चलता है। जनता ने जहां सत्तापक्ष को सुशासन का दायित्व दिया है, वहीं विपक्ष को लोकतंत्र का सजग प्रहरी बनाया है। यदि विपक्ष जनहित के लिये आवाज उठाता है तो उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के लिये महज विरोध के लिए विरोध करना भी अनुचित ही कहा जाएगा।

विपक्ष का दायित्व है कि वह जनता को सजग करे और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सचेत करे। वहीं राजनीतिक दलों को उन विभाजनकारी मुद्दों से परहेज करना चाहिए जो समाज में विघटन को बढ़ावा दें। हम 21वीं सदी में रह रहे हैं। यदि अब भी राजनीतिक दल जात-पांत और सांप्रदायिकता की राजनीति को बढ़ावा देते हैं तो यह लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता। सदियों पहले देशकाल व परिस्थिति के चलते जो जाति व्यवस्था अस्तित्व में आई थी, उसे आज राजनीतिक

शेष पृष्ठ 2 पर

मणिपुर के लोगों के एक समूह से राहुल गांधी की मुलाकात

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली में रहने वाले मणिपुर के लोगों के एक समूह से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्य का दौरा करने तथा शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आज, मैंने दिल्ली में रहने वाले मणिपुर के लोगों के एक समूह से मुलाकात की, जिन्होंने राज्य में जातीय झड़प की शुरूआत के बाद से अपने हृदय विदारक संघर्षों को साझा किया। उन्होंने प्रियजनों से अलग होने के दर्द और संघर्ष के कारण उनके समुदायों पर पड़ने वाले शारीरिक और मानसिक परेशानियों के बारे में बात की।' गांधी के मुताबिक,

इन लोगों ने प्रतिशोध के डर से अनुरोध किया कि उनके चेहरे न दिखाए जाएं। राहुल गांधी ने कहा, 'यह एक कड़वी सच्चाई है कि मणिपुर में हमारे भाई-बहन लगातार भय की स्थिति से झेल रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री से एक बार फिर आग्रह करता हूं कि वह मणिपुर का दौरा करें और केंद्र एवं राज्य सरकार शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में काम करने के लिए जल्द से जल्द प्रयास करे।'

संपादकीय

दिल्ली सिंहासन के लिए सियासी जंग शुरू

भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ व पंडितों के मध्य चिन्तन व चर्चा दबी जुबान से शुरू हो गई कि मोदी व शाह के लिए तीसरे काल में सरकार चलाना इतना आसान नहीं, जिसकी झलक आये दिनों देखने को मिलने लगी है। विश्व के राजनीति पटल पर सदियों से अपना सिक्का जमाने वाला हमारा देश भारतवर्ष सैदव ही चर्चा के केन्द्र में रहता है। भारतीय राजनीति में इसी क्रम में परिवर्तन का चक्र चला दिल्ली दरबार के सिंहासन भाजपा व उनकी सहयोगी दलों की सरकार बनी, 2014 से 2024 दो कार्यकाल तक चली,भाजपा व मोदी सरकार के हौसले बुलंद थे। दूसरे कार्यकाल में तो विपक्ष को कुछ नही माने देश के लोकतंत्र के मन्दिर में संविधान संसोधन, बिल पास करवाने विपक्षों दलो के सांसद का निलम्बन आदि काफी चर्चा व चिन्तन का विषय बना, पार्टी द्वारा अपने संरक्षक स्वरूप आर एस एस अर्थात संघ की अनदेखी तक करने लगी। इसके पूर्व राज्यों के विधान सभा चुनावों में सफलता मिलती देखकर, अपने समर्थकों व पार्टी के कार्यकर्त्ताओं के लिए फरमान जारी कर दिया कि मोदी-शाह के नेतृत्व में अबकी बार 400 पार का नारा दिया, पार्टी ने मोदी-शाह जिसे चाणक्य भी कहा जाने लगा था। लोकसभा चुनाव के परिणाम 400 का आकंडा पहुंचना तो दूर की बात-सरकार बनाने के लिए दो दलों की बैसाखी का सहारा लेना पड़ा। भारतीय राजनीति के क्षितिज पर विगत 10 वर्षो तक चमकने-दमकने वाला मोदी व उसके अजीज दोस्त शाह की करिश्माई जोड़ी के नेतृत्व में एनडीए व दो बैशाखी के सहारे की सरकार तो बना ली, लेकिन दिल्ली दरबार की तीसरी मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही यह पूछा जाने लगा था कि भाजपा व उसके सहयोगी दलों की केन्द्र में सरकार कितने दिन चलेगी? यहाँ पर आपके मन में व शंका उठना स्वाभाविक है कि 10 बर्षो से केन्द्र सरकार में एनडीए की नेतृत्व वाली सरकार के लिए ऐसी कहना उचित है क्या। कि ऐसी आशंका किसी भी गठबंधन सरकार के लिए जताई जाती रही है। कई गठबंधन सरकारें चली भी हैं,तो गठबन्धन की सरकार ताश के पत्ते की भरभरा कर गिरी भी हैं। सन् 1992 में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में बनी नरसिंह राव की सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया था। उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने भी अपना कार्यकाल पूरा किया था। डा० मनमोहन सिंह की अगुवाई में दो सरकारों-यूपीए 1और यूपीए 2 ने अपना कार्य काल पूरा किया था। वहीं गठबंधन सरकारों के बीच में ही भरभराकर गिर पड़ने के कई उदाहरण हैं। भारतीय राजनीति में आपातकाल अध्याय के बाद केंद्र में विपक्ष की बनी पहली सरकार जनता पार्टी की एक तरह से गठबंधन की ही सरकार थी। वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। बाद में 1989 में जनता दल के नेतृत्व में बनी सरकार भी बीच में ही गिर गई थी। इस सरकार को एक ओर से वामपंथी तो दूसरी ओर से बीजेपी समर्थन दे रही थी। इसी तरह से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी दो सरकारें भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं। एक बार तो वाजपेयी लोक सभा में बहुमत ही नहीं साबित कर पाये (सरकार महज 13 दिन रही)और दूसरी बार सरकार बनी तो महज 13 महीनों में ही गिर गई। इससे पहले चौधरी चरण सिंह की सरकार महीने भर और चंद्रशेखर की सरकार भी चार महीने में ही गिर चुकी है।

राहुल गाँधी और लालू प्रसाद यादव दोनों ख्वाहिश को जता चुके हैं कि नरेंद्र मोदी की एन 1 व एन 2 की बैसाखी वाली सरकार कितने दिन चल पायेगी। दोनों सहयोगी दल मोदी सरकार से अपने-अपने राज्यों के लिए सरकार से कई उम्मीदें लेकर बैठे हैं। तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू, जिनकी पार्टी के 16 सदस्य हैं और जनता दल यू के नेता नीतीश कुमार,जिनके दल के 12 सदस्य हैं, किसी न किसी दिन सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे। संसद के बजट सत्र में,इस बात के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी चुतराई से दोनों राज्यों को बड़े पैकेज देकर उनकी चाहत का ख्याल रखा गया। उन्हें असंतोष नहीं हुआ लेकिन दूसरे राज्यों में असंतोष देखने को मिला है,उनका मानना है कि मोदी सरकार ने बजट में उनके साथ अन्याय हो रहा है। जिसकी झलक नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्रियों का बहिष्कार कर हालांकि प० बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनजी बैठक के मध्य में छोड़कर चली गई। उनका आरोप था कि उन्हें बैठक में बोलने के लिए एक तो कम समय मिला इतना ही नहीं बीच में उनका माईक बंद कर दिया। मोदी सरकार व पार्टी का मानना है कि अगर चंद्रबाबू और नीतीश के समर्थन वापस ले लेने पर भी सरकार के पास 266 सदस्यों का समर्थन रहेगा। जिसकी सरकार को जरूरत होती है उसके लिए छह बाकी सदस्यों का इंतजाम करना बहुत मुश्किल नहीं होगा। वे महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की तरह केंद्र में भी दूसरी पार्टियों के सांसदों को बीजेपी में मिलाकर अपनी संख्या 272 तक पहुंचाने की कोशिश जरूर करेंगे। पीछे भी यही मोदी शाह टीडीपी के सांसदों को तोड़ भी चुके हैं, इसलिए इस बात की गारंटी नहीं है कि वे इस बार ऐसी कोई कोशिश नहीं करेंगे इसलिए सरकार गिरे,यह सहज में तो संभव नहीं। लेकिन सरकार के सामने समस्या है, और वह असल समस्या यह है कि भाजपा और संघ में मोदी और शाह के खिलाफ असंतोष बन आया है। उनकी वोट दिला पाने की क्षमता और चाणक्यगीरी-दोनों पर सवालिया निशान लग गया है। माना जा रहा है कि उनकी गलत नीतियों और उनकी मनमानी के कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान हुआ है। इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले जम्मू-कश्मीर,महाराष्ट्र,हरियाणा और झारखंड विधान सभा के चुनावों में यदि भाजपा हारती है तो मोदी-शाह के नेतृत्व पर सीधा सवाल उठ सकता है। उन्हें बदलने की मांग उठ सकती है।

साथ ही, मोदी और शाह पर अब जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का भी दबाव है। लोकसभा चुनाव में जनता ने दिखा दिया है कि वह मोदी सरकार के कार्यकाल से खुश नहीं है और उन्होंने अपनी कार्यशैली न बदली तो इस बार बहुमत नहीं दिया,आगे इस लायक भी नहीं छोड़ेगी कि वे सरकार बना सकें। भाजपा का कोर वोटर वर्ग भी अब यह आशा छोड़ चुका है कि मोदी और शाह अब हिंदुत्व का कोई बड़ा काम कर पाने की हैसियत में हैं। 2047 में भारत की बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाने का लोक लुभावना नारा उन्हें पंसद नहीं आ रहा। उनका सीधा सवाल है, कहाँ गया एनआरसी या कॉमन सिविल कोड का मुद्दा? पीओके को भारत में मिलाने का मुद्दा? बढ़ती आबादी पर लगाम लगाने का मुद्दा? ये सवाल दिनोंदिन प्रखर होते जाएंगे। विपक्ष अब मजबूत है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण लोक सभा में इसी सत्र के दौरान सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड संसोधन बिल पास नही करवाई पाई आखिरकार जे पी सी में भेजना पड़ा है।

वही राज्य सभा में सभापति व राज्य सभा सांसदों के बीच बढ़ते ठकराव ये तनाव इतनी बढ़ गई कि विपक्ष सभापति महोदय से अपने वर्त्ताव मे बदलाव करने की माँग करने लगी बात उन पर महाभियोग लाने की तैयारी करने के लामबंद हो गए हालाकि संसद के सत्र जो पूर्व कार्यक्रम अनुसार 12 अगस्त तक चलने वाली थी सत्र से पूर्व ही सदन को अगली घोषणा तक स्थगित कर दिया गया। वही राहुल गाँधी की छवि भी बदल चुकी है। वे अब विपक्ष के नेता बन गए है। सम्पूर्ण विपक्ष भी अब लोगों के बीच सवाल पहुँचाने में कमजोर नहीं पड़ेगा। खैर इस संदर्भ में अभी से कुछ कहना जल्दबाजी होगी,ये तो अतीत के गर्भ में छुपा है। एक बात सच है कि राजनीति में कुछ असम्भव नहीं है।

पृष्ठ 1 का शेष

झारखंड: हेमंत सोरेन की...

में जाने के कयास के सवालों को पहले वे टाल गए। बाद में कहा, अभी भी राजनीतिक जीवन बहुत लंबा है। क्या होगा, कुछ भी कहना मुश्किल है। उनके साथ ही लोबिन हेम्ब्रम के दिल्ली होने के सवाल पर चंपाई ने कहा- देखिए मैं तो आपके सामने हूं। लोबिन पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। भाजपा में शामिल होने के सवाल को स्पष्ट रूप से खारिज नहीं करने के भी कई मायने निकाले जा रहे हैं। वहीं, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरायकेला में दिए भाषण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम नहीं लेने को लेकर भी चर्चा का बाजार गरम है। स्थानीय लोगों के साथ ही झामुमो नेताओं ने भी कहा कि चंपाई सोरेन के भाषण में मुख्यमंत्री हेमंत का नाम नहीं लेना सामान्य बात नहीं हो सकती है। झामुमो से निलंबित हो चुके पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम ने भाजपा से जुड़ने के सवाल पर कहा कि इस संबंध में वह जल्द ही फैसला लेंगे। उन्होंने भाजपा के बड़े नेताओं से संपर्क की बात भी कही। उन्होंने कहा कि अब परिवारवाद के खिलाफ मोर्चा खोलने का समय आ गया है। लोबिन ने झामुमो के रुख से नाराज एक अन्य विधायक के भी जल्द पार्टी छोड़ने का दावा किया।

चंपाई सोरेन को लेकर अटकलों की वाजिब वजह बताई जा रही है। चंपाई को अचानक मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद कई मौकों पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनकी प्रशंसा की है। चंपाई सोरेन के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान भी भाजपा प्रत्यक्ष तौर पर कभी उनके ऊपर हमलावर नहीं रही। झामुमो नेतृत्व पर निशाना साधते हुए झारखंड में भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि चंपाई सोरेन झामुमो में रहकर शिबू सोरेन के साथ संघर्ष किया। झामुमो में हेमंत से ज्यादा चंपाई सोरेन का हक है। उनका व्यक्तित्व बड़ा, उन पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। वह अपना रास्ता चुनने के लिए खुद समर्थ हैं।

राजनीतिक गलियारों में खबर है कि अगर चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल होते हैं तो उनके बेटे बाबूलाल सोरेन को घाटशिला या पोटका से विधानसभा चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है। बता दें कि वर्तमान में पोटका से संजीव सरदार एवं घाटशिला से रामदास सोरेन विधायक हैं और दोनों ही झामुमो के हैं।

जम्मू-कश्मीर - हरियाणा की...

पूरे देश ने चुनाव का उत्सव मनाया। हमने कई रिकॉर्ड भी बनाए। पहली बार दुनिया में सबसे ज्यादा मतदान हुआ।

लोकसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर में मतदाता मतदान का हवाला देते हुए कुमार ने कहा कि घाटी एक नए शिखर पर पहुंच गई है, जहां मतदान में भागीदारी में 30 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने आगे बताया कि बताया कि जम्मू-कश्मीर में 90 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा, जिनमें से 74 सामान्य और 16 आरक्षित (एसटी-9, एससी-7) हैं। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में 87 लाख से ज्यादा मतदाता हिस्सा लेंगे। अंतिम मतदाता सूची 20 अगस्त को प्रकाशित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि हमने हाल ही में जम्मू-कश्मीर और हरियाणा का दौरा किया और वहां चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया।

जम्मू-कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा कि लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। वे चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेना चाहते थे। लोग चाहते हैं कि वहां जल्द से जल्द चुनाव कराए जाएं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर में पोलिंग बूथ पर लगी लंबी कतारें इस बात का सबूत हैं कि लोग न केवल बदलाव चाहते हैं बल्कि उस बदलाव का हिस्सा बनकर अपनी आवाज भी बुलंद करना चाहते हैं। उम्मीद और लोकतंत्र की यह झलक दिखाती है कि लोग तस्वीर बदलना चाहते हैं। वे अपनी किस्मत खुद लिखना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने लोकसभा चुनाव में बुलेट के बजाय बैलेट को चुना।

चेहरा कोई हो मैं साथ दूंगा क्योंकि...

है कि ज्यादा से ज्यादा विधायक बनाने के लिए पार्टियाँ खुद ही अपने दूसरे सहयोगी दलों के उम्मीदवारों को हराने की कोशिश करती हैं। इसलिए मैं इस बात के पक्ष में नहीं हूँ कि सबसे ज्यादा विधायक वाली पार्टी को सीएम पद मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आइए चर्चा करें कि आप (महायुति) क्या करते हैं और हम (महा विकास अघाड़ी) देश और राज्य के लिए क्या करते हैं। वे नगर निगम चुनाव नहीं करा रहे हैं और उन्होंने अभी तक आगामी चुनाव तिथियों (राज्य विधानसभा चुनावों के लिए) पर फैसला नहीं किया है। पिछले सप्ताह, उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर दिल्ली के सामने झुकने का आरोप लगाया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव उन लोगों के खिलाफ लड़ाई है जो राज्य से नफरत करते हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे शहर में पार्टी कार्यकताओं की सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने राज्य सरकार पर अक्टूबर में होने वाले चुनावों से महीनों पहले अपनी प्रमुख योजना मुख्यमंत्री लड़की बहन योजना की घोषणा करके मतदाताओं को रिश्वत देने का भी आरोप लगाया।

सात दशक की आर्थिक आजादी...

हथियार के रूप में इस्तेमाल करना देश को पीछे धकेलने के समान है। कमोबेश यही स्थिति संप्रदायों की राजनीति करने वालों को लेकर भी कही जा सकती है। आज हर नागरिक का पहला दायित्व प्रगतिशील सोच के साथ देश को आगे बढ़ाना होना चाहिए।

किसी भी लोकतंत्र में समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय दिलाना पहली प्राथमिकता होती है। निस्संदेह, देश ने 1947 में राजनीतिक आजादी हासिल की थी। अकसर कहा जाता है कि आजादी के बाद हमारी लड़ाई देश में आर्थिक आजादी और सामाजिक न्याय हासिल करने के लिये होनी चाहिए। लेकिन यह भी हकीकत है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम आर्थिक आजादी व सामाजिक न्याय के लक्ष्य हासिल नहीं कर पाये। देश में तेजी से बढ़ती अमीर-गरीब की खाई बड़ी चिंता का विषय है।

दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं के देश भारत में बेरोजगारी की ऊंची दर नीति-नियंताओं की विफलता को दर्शाती है। कैसी विडंबना है कि रोजगार की तलाश में विदेशों में भटक रहे युवाओं को दलालों ने रूस-यूक्रेन युद्ध में झोंक दिया है। हर हाथ को काम न मिले यह हमारे सत्ताधीशों की विफलता ही कही जाएगी। वहीं दूसरी ओर हम अपने मौलिक अधिकारों की तो बात करते हैं लेकिन अपने मौलिक कर्तव्यों की बात भूल जाते हैं। यह शिक्षा स्कूल-कॉलेजों से ही दी जानी चाहिए ताकि युवा जागरूक व जिम्मेदार बनें।

हमारा राष्ट्रवाद का जज्बा जापान जैसा ऊंचे दर्जे का होना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र के सामने यक्ष प्रश्न है कि कौन जनप्रतिनिधि संस्थाओं में अनेक अपराधियों को चुनकर भेजता है?

सत्ता में अपराधियों की भागीदारी लोकतांत्रिक व मानवीय अधिकारों का अतिक्रमण ही करती है। यदि हम सजग, सतर्क और सचेत रहेंगे तो दागी जनप्रतिनिधि संस्थाओं में नहीं पहुंच सकते हैं। आज हम आजादी की हवा में सांस ले रहे हैं, लेकिन इस आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने को त्याग-तपस्या की आज भी जरूरत है।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने देश की आजादी के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर सेवादल के कांग्रेस सैनिकों द्वारा वंदेमातरम के उदघोष और राष्ट्रगान जन,गण, मन... के बाद प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ध्वजारोहण कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

फोटो : कमलजीत

ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष के अलावा दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारुन युसूफ, एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक भीष्म शर्मा, कुंवर करण सिंह, अमरीश गौतम, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल, वरिष्ठ नेता महमूद जिया, सेवादल के मुख्य संगठक सुनील कुमार, जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार एडवोकेट, सतबीर शर्मा, मौहम्मद उस्मान, निगम पार्षद समीर मंसूरी, पूर्व मेयर वरयाम कौर, पूर्व पार्षद पन्ना लाल खेरवाल, चौ0 प्रेम कुमार, रमेश पोपली, अमन सूदन, अब्दुल वाहिद, पीके मिश्रा, एडवोकेट सुनील कुमार, राजेश गर्ग सहित कांग्रेस सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित सेल एवं विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। देवेन्द्र यादव ने दिल्लीवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, यह सब कांग्रेस के सिपाहियों के संघर्ष, बलिदान के कारण संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे देश के हर उस व्यक्ति का है जिसने देश के विकास में भूमिका निभाई है, आजादी के लिए शहीद हुए हर उस नौजवान, इंसान का है जिसने देश की आजादी के संघर्ष में हिस्सा लिया। मैं देश को आजादी दिलाने वाले शहीदों को नमन करता हूँ, हमें शांति और सदभाव के साथ आजादी के इस पर्व को मनाना चाहिए।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि मोदी तीसरे प्रधानमंत्री हैं जो 11वीं बार स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराया परंतु यह दुर्भाग्य है कि उनके तीसरे काल के 67 दिनों में देश में 17 आतंकी हमले हुए जिनमें 18 जवान शहीद हुए है व 26 घायल हुए है। आतंकी हमलों में 11 नागरिक मारे गए और 50 नागरिक घायल हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में लोग आतंकी भय में जी रहे।

देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में सभी 14 जिलों और 258 ब्लाक कांग्रेस कमेटियों ने भी तिरंगा फहराया गया। प्रदेश अध्यक्ष स्वयं भी कई जिलों के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। जिला व ब्लाक अध्यक्षों ने बूथ स्तर पर आयोजित हुए ध्वजारोहण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। बूथ स्तर के झंडा समारोह में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय निवासियों को भी शामिल किया। सभी कार्यकताओं ने अपने घरों पर भी राष्ट्रीय ध्वज लगाकर गौरव का अनुभव किया। ब्लाक और जिला कांग्रेस कमेटियों की मासिक बैठकों और कार्यकारिणी की बैठकों में प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने सभी कार्यकताओं का आव्हान किया था कि वे संगठन को मजबूत करने और क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बताने के लिए अपने घरों और घरों के नजदीक पोल आदि पर पार्टी का झंडा फहराऐं, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने अपने बूथ स्तर पर ध्वजारोहण करने के साथ अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

वायनाड : प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों की अस्थि कलशों को लाने केरल जाएगा प्रतिनिधिमंडल -अनिल नरेन्द्र

श्री देवोत्थान सेवा समिति (पंजी.)के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल नरेन्द्र ने केरल के वायनाड में आई प्राकृतिक आपदा में मारे गए सैकड़ों नागरिकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस संदर्भ में इस प्राकृतिक आपदा में मारे गए अनाम शवों के दाह संस्कार और अस्थि कलशों को वहां से लाकर कनखल, सतीघाट, हरिद्वार में मां गंगा के आंचल में मोक्ष कराने के संकल्प को दोहराया है। नरेन्द्र ने कहा कि जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल यहां से केरला भेजा जाएगा जो वहां की सरकार से बात करके इन कलशों को सम्मानपूर्वक लाकर उनको मोक्ष कराने का काम करेगी।

समिति के राष्ट्रीय महामंत्री विजय शर्मा ने बताया कि दक्षिण भारत के इस राज्य में भाषा को समझने में कठिनाई ना हो, इसके लिए समिति के दक्षिण भारत प्रमुख एडवोकेट एच.पी.राव को इसकी जिम्मेदारी दी गई है जिसे वो कानून सम्मत समझकर अनाम अस्थि कलशों को लाने की प्रक्रिया करेंगे।

शर्मा ने कहा कि इस कार्य के लिए एडवोकेट एच.पी. राव के साथ एडवोकेट राणा कुशल पाल सिंह, श्रीमती सिंधु एएस, अमित जैन और देवेन्द्र सिंह को नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि समिति पिछले 22 वर्षों में पाकिस्तान में रह रहे हिन्दू सिख भाईयों के कुल 295 अस्थि कलशों के साथ करीब 1,61,161 अनाम लोगों के अस्थि कलशों को वैदिक रीति के अनुसार प्रतिवर्ष पितृपक्ष के दो दिनों में 100 किलो दूध की धारा के साथ उनका विसर्जन करती आ रही है, इस बार भी यह यात्रा 27 सितम्बर 2024 को बैंड-बाजों व भव्य झांकियों के साथ हजारों अस्थि कलशों के साथ हरिद्वार के लिए रवाना होगी। जहां 28 सितम्बर 2024 शनिवार को सभी अस्थि कलशों का सतीघाट, कनखल, हरिद्वार में विसर्जन किया जाएगा। बैठक में संगठन मंत्री दीपक गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी ने भी अपनी बात रखी।

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल की तरफ से पेश हुए वकील ने पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जमानत दिए जाने वाली दलील भी रखी, लेकिन उसका भी कोर्ट पर कोई असर नहीं हुआ और अगली सुनवाई 23 अगस्त तय कर दी गई।

सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा, कि उनके पक्ष में 3 बार जमानत के आदेश दिए जा चुके हैं। इनमें सेक्शन 45 का मामला भी है। उन्होंने बताया कि पीएमएलए ने मई माह में अंतरिम आदेश जारी किया था। इसके बाद पीएमएलए द्वारा जून में नियमित जमानत दे दी गई। इसके बाद हाईकोर्ट ने पीएमएलए के आदेश पर रोक लगा दी। इसके साथ ही जमानत की अर्जी दी गई, लेकिन इन तमाम दलीलों के बाबजूद कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इंकार कर दिया और अगली पेशी 23 अगस्त की तय कर दी। यहां बताते चलें कि सिसोदिया मामले में भी इसी आशय की दलीलें कोर्ट में रखी गईं थीं, जिनमें कहा गया था कि मुकदमें में किसी प्रकार की कोई प्रोग्रेस ही नहीं हुई है और सिसोदिया को जमानत भी नहीं दी जा रही थी। इसी आधार पर सिंघवी ने अदालत से कहा कि इस मामले पर शीघ्र सुनवाई की जानी चाहिए। गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 21 मई, 2024 को सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सिसोदिया जमानत की अर्जी लगाते हुए कहा था कि 2023 अक्टूबर से उनके खिलाफ मुकदमें में किसी प्रकार की कोई प्रगति ही नहीं हुई है। राउज एवेन्यू कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट ने सिसोदिया को जमानत नहीं दी थी। गौरतलब है कि ट्रायल कोर्ट से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक में सिसोदिया की जमानत याचिका कई बार खारिज हुईं अंततः सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सिसोदिया की याचिका पर फैसला सुनाया और कहा कि जमानत के मामले में हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट सेफ गेम खेल रहे हैं। इसी के साथ उन्हें जमानत दे दी गई। यहां सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल मामले में भी यही उम्मीद की जा रही थी कि इस बार उन्हें जमानत मिल जाएगी, लेकिन कोर्ट ने सिसोदिया वाली दलील को भी नहीं माना और अगली सुनवाई के लिए तारीख तय कर दी है।

स्वच्छता अभियान का संदेश: फेस्टा ने निकाली तरंग यात्रा

देश की आजादी के लिए कुर्बान हुए क्रांतिकारियों को शहीदी का दर्जा मिले

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष पर हर घर तिरंगा हर दुकान तिरंगा के तहत फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव की अध्यक्षता में सदर बाजार के सैकड़ो व्यापारियों ने कुतुब रोड से शुरू होकर मेन बाजार सदर बाजार से होते हुए 12 टूटी चौक तक तिरंगा यात्रा निकाल कर सभी को मार्केट को स्वच्छ रखने का संदेश दिया साथ ही उन्होंने सबसे अपील की अपने - अपने घरों के पास पौधे लगाए, पानी को वेस्ट ना करें, रोड़ों पर गंद ना फेक प्लास्टिक थैली का प्रयोग ना करें जैसे जनहित मुद्दों पर आम जनता का जागरूक करने का प्रयास किया।

इस अवसर पर सभी भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद के जयकारे भी लगा रहे थे। सभी अपने हाथों में तिरंगे लेकर देशभक्ति के गीतों में झूम रहे थे।

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने प्रधानमंत्री से अपील की देश की आजादी के लिए कुर्बान हुए क्रांतिकारियों को शहीदी का दर्जा देने की घोषणा करें। और सरकार उनके परिवार को सभी सरकारी सुविधा उपलब्ध करवाई।

इस इस अवसर पर राजेंद्र शर्मा, सुरेन्द्र महेन्द्रू और कमल कुमार ने बताया सदर बाजार की सभी मार्केट को तिरंगे से सजाया जा रहा है।

इस अवसर पर पवन खंडेलवाल, दीपक मित्तल, सुधीर जैन ने बताया तिरंगा यात्रा को लेकर व्यापारियों में काफी उत्साह था जगह-जगह व्यापारियों ने दुकान से बाहर निकाल कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया।

वही चौधरी योगेंद्र सिंह, राजकुमार और हरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया बड़ी खुशी की बात है तिरंगा यात्रा में सभी धर्म के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया यही देश की आपसी भाईचारे की मिसाल नजर आती है।

इस अवसर पर जसविंदर सिंह, वरिंदर सिंह, नारायण गुप्ता, मुकेश कुमार जैन, वरिंदर आर्य, अभय सभरवाल, संदीप खन्ना, कुलदीप सिंह, लक्ष्मी नारायण सहित अनेक व्यापारी उपस्थित थे।

उपचुनाव में भी भाजपा को हराने के लिए जनता फील्ड में उतर चुकी है

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में भी भाजपा को हराने के लिए जनता फील्ड में उतर चुकी है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि आगामी उपचुनाव में भी भाजपा को हराने के लिए जनता फील्ड में उतर चुकी है। भाजपा कुछ अधिकारियों को हटाने का कितना भी शासकीय-प्रशासकीय नाटक कर ले, कोई उनको पराजय से रोक नहीं सकता। देखना ये भी है कि उनकी जगह जो अफसर आएंगे, उनकी निष्पक्षता पर मोहर कौन लगाएगा।

उन्होंने आगे लिखा कि भाजपा उपचुनावों में अपनी 10/10 की हार के अपमान से बचने के बहाने ना ढूंढे। अगर भाजपा जन-विरोधी नहीं होती तो आज ये दिन नहीं देखने पड़ते। महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी, पुलिस भर्ती, नीट परीक्षा, महिला-सुरक्षा, संविधान और आरक्षण की रक्षा, नजूल भूमि जैसे मुद्दों से लड़ने के लिए भाजपा कब और किसे नियुक्त करेगी?

सपा मुखिया ने कहा कि कुछ विशेष अधिकारियों को चुनावी ज़िम्मेदारी से हटाने की बात कहकर, भाजपाइयों ने ये बात स्वीकार कर ली है कि उनकी सरकार में शायद कुछ चुनावी घपले अधिकारियों के स्तर पर होते हैं। ये भाजपा की अपनी सरकार के साथ-ही-साथ चुनाव आयोग के ऊपर भी है। चुनाव आयोग स्वतः संज्ञान ले।

गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं।

अभी इनमें से पांच सीटें एनडीए तो पांच सपा की हैं। यूपी की फूलपुर, खैर, गाजियाबाद, मझवां, मीरापुर, मिल्कीपुर, करहल, कटेहरी और कुंदरकी के विधायक इस बार लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बन गए हैं। ये नौ सीटें इस तरह खाली हुईं और दसवीं सीट सीसामऊ सपा विधायक इरफान सोलंकी की आपराधिक मुकदमें में सदस्यता रद्द होने के कारण खाली हुई है। इन सीटों पर उपचुनाव की अभी घोषणा नहीं हुई है।

कोलकाता की घटना पर टिप्पणी के लिए
तृणमूल कांग्रेस ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

तृणमूल कांग्रेस ने यहां एक प्रशिक्षु डॉक्टर की कथित बलात्कार के बाद हत्या पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें केंद्र में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के दौरान महिला सुरक्षा के निराशाजनक रिकॉर्ड को ध्यान में रखना चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीड़िता को न्याय दिलाने के बजाय आरोपियों को बचाने का प्रयास अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाता है।

कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके राहुल ने कहा कि कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की जघन्य घटना से पूरा देश स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि उसके साथ हुए क्रूर और अमानवीय कृत्य के खुलासे से डॉक्टर समुदाय और महिलाओं में असुरक्षा का माहौल है। तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने आरोपों को निराधार बताया।

घोष ने कहा, ऐसी टिप्पणी करने से पहले उन्हें तथ्यों की जांच करनी चाहिए। उन्हें (पूर्व प्रधानमंत्री) राजीव गांधी के शासनकाल और केंद्र में (पिछली) कांग्रेस सरकारों के दौरान महिलाओं की सुरक्षा के बारे में निराशाजनक ट्रैक रिकॉर्ड को नहीं भूलना चाहिए। महिला स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर का शव नौ अगस्त की सुबह अस्पताल के सेमिनार हॉल में मिला था। इस अपराध के सिलसिले में एक स्वयंसेवक को गिरफ्तार किया गया। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले की जांच कोलकाता पुलिस से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया था।

रामदेव-बालकृष्ण के माफी मांगी: मानहानि का केस बंद

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

पतंजलि आयुर्वेद के उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित विवाद में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि का केस बंद कर दिया है। यह फैसला जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया। इस मामले की शुरूआत तब हुई थी जब इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने पतंजलि पर कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया था।

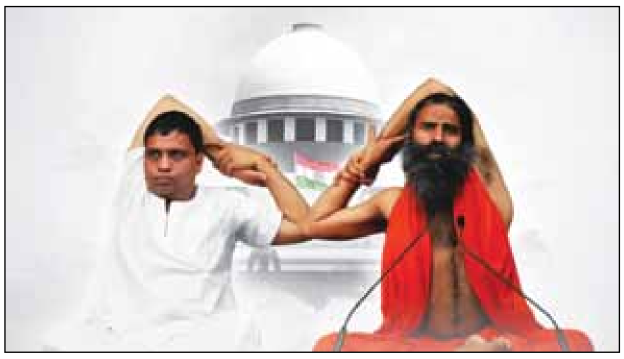

आईएमए का कहना था कि पतंजलि के विज्ञापनों में कोरोनिल और स्वसारी जैसे उत्पादों के कोविड-19 के इलाज के दावे को गलत बताया था और एलोपैथी दवाओं की उपेक्षा की थी। कोर्ट ने पहले पतंजलि को चेतावनी दी थी कि उनके भ्रामक विज्ञापन तुरंत बंद किए जाएं। आईएमए की याचिका में आरोप लगाया गया था कि पतंजलि के विज्ञापन ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट 1954 और कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019 का उल्लंघन कर रहे हैं।

पतंजलि ने दावा किया था कि उनके उत्पाद कोरोनिल और स्वसारी से कोरोना का इलाज किया जा सकता है।

इसके बाद आयुष मंत्रालय ने पतंजलि कंपनी को फटकार लगाई और विज्ञापनों पर तुरंत बंद करने के निर्देश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान यह भी कहा कि रोक लगाने के बावजूद विज्ञापन जारी किए जा रहे थे। अदालत ने बाबा रामदेव को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के निर्देश भी दिए थे। रामदेव ने कोर्ट से माफी मांगी और स्वीकार किया कि उन्होंने गलती की। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे भ्रामक विज्ञापन नहीं चलाए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 घंटे में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित करने पर भी नाराजगी जताई थी, लेकिन रामदेव के वकील ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि भविष्य में ऐसी गलतियां नहीं होंगी और उन्होंने बिना शर्त माफी मांगी। इस फैसले के बाद पतंजलि के खिलाफ मानहानि का मामला बंद कर दिया गया है और कंपनी को अपने विज्ञापन और प्रचार नीतियों को सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। यह फैसला पतंजलि और उसके नेताओं के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

गिड़गिड़ाने से कुछ नहीं मिलता दिल्ली से हक छीनना पड़ता है

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर एक एक्स पोस्ट के जरिए तंज कसा है। पूरा मामला दरियापुर स्थित रेल व्हील प्लांट से जुड़ा हुआ है जिसमें अब तक 2 लाख से अधिक रेल पहियों का निर्माण किया जा चुका है। लालू ने अपने पोस्ट में लिखा कि आपको बताते खुशी हो रही है कि सारण के दरियापुर स्थित रेल व्हील प्लांट में रिकॉर्ड 2 लाख से अधिक रेल पहियों का उत्पादन किया जा चुका है। हमने रेल मंत्री रहते इसकी आधारशिला 29 जुलाई 2008 को रखी थी। प्लांट के निर्माण पर लगभग 1640 करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

लालू ने दावा किया कि बिहार में रेल के पहिए का निर्माण भारतीय रेलवे के लिए एक वरदान साबित हुआ। अब Made in Bihar रेल पहिये भारतीय रेलवे की रफ्तार भरने में रिकॉर्ड बना देश के विकास में अहम योगदान दे रहे है। उन्होंने कहा कि बिहार के बेला स्थित रेल व्हील प्लांट द्वारा अब तक 2 लाख से अधिक रेल पहियों का निर्माण किया जा चुका है जिससे भारतीय रेलवे की विदेशों पर निर्भरता कम हो गई। मुझे यह बताते प्रसन्नता हो रही है कि हमारे द्वारा बिहार में स्थापित बेला रेल व्हील प्लांट देश को आत्मनिर्भर बनाने में अपनी भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि चारों तरफ नदियों से घिरा रहने और पानी लगने के कारण कारखाना स्थापित करने के लिए यह स्थल चुनौतियों से भरा था लेकिन अपनी इच्छा शक्ति के दम पर हमने सभी कठिनाइयों को पार किया और 2008 में इसका उद्घाटन कर सिविल कार्य शुरू करवाया। पूर्व रेल मंत्री ने कहा कि UPA-1 में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी होने के बल पर हमने 2004 से 2009 के बीच प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के सहयोग से विकास कार्यों के लिए बिहार को 1 लाख 44 करोड़ की विशेष आर्थिक सहायता राशि आवंटित ही नहीं बल्कि दिलाई थी। UPA-1 में केंद्र से मिले सहयोग के कारण बिहार में ग्रामीण सड़के, पुल-पुलिया, बिजली, रेलवे लाइनें, मनरेगा के तहत रोजगार,

रेलवे स्टेशन, तथा सारण और मधेपुरा में रेल कारखानों का जाल बिछा दिया था। हमारे द्वारा UPA काल में दिए गए सहयोग राशि से नीतीश कुमार ने अपना चेहरा खूब चमकाया। चूंकि हम प्रचार नहीं बल्कि जमीनी काम करते थे।

इसके बाद लालू ने नीतीश कुमार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि नीतीश बताए NDA के 10 वर्षों में बिहार को कोरी घोषणाओं के अलावा क्या मिला? हमने तो 22 सांसदों के दम पर 2004 से 2009 के बीच 5 वर्ष में ही बिहार को 1 लाख 44 हजार करोड़ की सहायता राशि दिलाई लेकिन ये तो 2014 में 31, 2019 में 39 और 2024 में 30 सांसद लेकर भी दिल्ली के सामने हाथ जोड़, गिड़गिड़ा कर झोली फैलाते है लेकिन तब भी इन्हें कुछ नहीं मिलता। राजधानी में हक माँगना नहीं छिनना पड़ता है। वहीं, लालू के पोस्ट पर तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के लिए यह जरूरी था। आगे चलकर प्रगतिशील राजनीति होनी चाहिए, जिससे बिहार और राज्य के लोगों का विकास हो। लालू जी ने जो आंकड़े दिए हैं, वे सही हैं। 2004 में जब वे रेल मंत्री थे, तब बिहार में कई कारखाने लगे। 2 लाख से ज्यादा पहिए वहां बनाए गए हैं। तो यह सुखद है। उन्होंने कहा कि 2004-2009 तक बिहार से 22 सांसद और झारखंड से 2 सांसद थे। हम UPA-1 में दूसरी सबसे बड़ी शक्ति थे। उस समय लालू जी और मनमोहन जी के समर्थन से बिहार को डेढ़ लाख करोड़ रुपये का पैकेज मिला। 2019 में, NDA के पास (बिहार से) करीब 39 सांसद थे, लेकिन बिहार को कुछ नहीं मिला। अब, 30 सांसद और कई मंत्री हैं। लेकिन बिहार को अब भी धोखा दिया गया है। उन्होंने बिहार को सिर्फ धोखा दिया है।

ममता ने 'कन्याश्री' दिवस पर बंगाल की लड़कियों की सराहना की

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कन्याश्री दिवस के अवसर पर राज्य की सभी लड़कियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बनर्जी ने लड़कियों को जरूरत की स्थिति में अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, आज 'कन्याश्री दिवस' है।

मेरी सभी बेटियों को हार्दिक बधाई। राज्य की सभी लड़कियां, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, अब कन्याश्री का हिस्सा हैं। इस शुभ दिन पर मैं अपनी बेटियों से आगे बढ़ने और अपने सपनों को हासिल करने का आग्रह करती हूं। मैं किसी भी जरूरत में आपके साथ खड़ी हूं।

उन्होंने कहा, हमने 2013 में कन्याश्री की शुरूआत की थी। आज इसे विश्व चैंपियन के रूप में मान्यता मिल चुकी है और यूनेस्को से इसे सर्वश्रेष्ठ पहल का खिताब मिला है।

कन्याश्री योजना पश्चिम बंगाल के आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों की 13-19 वर्ष की किशोरियों के लिए एक सशर्त नकद हस्तांतरण कार्यक्रम है। इस योजना का उद्देश्य 18 वर्ष से पहले उनकी शादी को रोकना है। बनर्जी को 2017 में 'कन्याश्री' योजना के लिए संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार (यूएनपीएसए) प्रदान किया गया था।

बर्लिन में मनाया गया 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

बर्लिन के प्रसिद्ध बर्लिनर डोम में भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर भारतीयों ने तिरंगा लहराया और भारत माता की जय और वन्देमातरम के नारे लगाए। स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए वीरों को याद किया गया और उनके बलिदान को नमन किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन इंडिपेंडेंस डे सेलिब्रेशन कमिटी (INDCC) और भारतीय दूतावास ने किया था। बर्लिन के विभिन्न कार्यालयों में काम करने वाले भारतीयों ने इस समारोह में भाग लिया और स्वतंत्रता दिवस की खुशी में तिरंगा लहराया। बच्चों और वयस्कों ने रंगारंग प्रदर्शन किया, नृत्य किया और देशभक्ति गीत गाए। यह एक शानदार तरीका था जिसमें भारतीयों ने अपनी स्वतंत्रता की खुशी को विदेशी धरती पर मनाया।

कार्यक्रम में शामिल कुछ मुख्य आकर्षणों में शामिल थेः

-देशभक्ति गीतों का गायन
-पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन
-स्वतंत्रता संग्राम के बारे में नाटक और स्किट
-तिरंगा लहराने का समारोह

यह समारोह भारतीय समुदाय के लिए एक यादगार दिन बन गया, जिसमें उन्होंने अपनी स्वतंत्रता की खुशी को विदेशी धरती पर मनाया। पुलकित चतुर्वेदी और उनके साथी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कौशांबी पार्क में पप्पू चौपाल पर आजादी के मस्तानों ने निकाली प्रभात फेरी एवं तिरंगा यात्रा

॥ राकेश जाखेटिया ॥

कौशांबी सेंट्रल पार्क में स्वतंत्रता के अवसर प्रभात फेरी एवं तिरंगा यात्रा में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इसमें बच्चें, महिलाएं तथा स्थानीय सीनियर सिटिजंस शामिल हुए। सभी ने मिलकर नारों के उद्घोष, देश भक्ति के गीत और संगीत के वातावरण में प्रभात फेरी एवं तिरंगा यात्रा निकाली।

प्रभात फेरी के उपरांत कौशांबी पार्क में ध्वजारोहण स्थल पर एकत्र हुए। पप्पू चौपाल के चेयरमैन सुशील जैन द्वारा झंडा फहराया गया। गीत संगीत कार्यक्रम से पूर्व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कुर्बानियों को याद कर 2 मिनट का मौन रखा गया। कुछ सीनियर सिटीजनों की आंखें उनकी कुबानी को याद कर नम हो गयी। कार्यक्रम में संग्राम सेनानी के परिवार भी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के उपरांत सभी का लड्डू द्वारा मुंह मीठा कराया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित जनमानस पर रुक रुक कर फूलों की वर्षा होती रही। नंदीका जाखेटिया द्वारा सभी छोटे और बड़ों का लॉलीपॉप द्वारा मुंह मीठा कराया गया। पप्पू चौपाल के प्रमुख सहयोगी पप्पू चेयरमैन सुशील जैन, अशोक परवाल, पवन गुप्ता, श्याम वैश्य, मनीष जैन, विदेश से आए कमल गुप्ता जी, अनिल मित्तल, गौरव वर्मा, वरुण शर्मा, रवि गुप्ता आदि अनेकों सक्रिय पार्क प्रेमियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक एवं विचारक राकेश जाखेटिया के मार्गदर्शन में किया गया। आपने पप्पू चौपाल के संक्षिप्त कार्यक्रम सभी के सामने रखे ... पार्क में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, हंसने हंसाने के लिए महफिले, योग एवं खेलकूद कार्यक्रम चौपाल के माध्यम से होते रहेंगे। यह चौपाल गैर राजनीति बनी रहने का प्रयास करती रहेगी।

पप्पू चौपाल के चेयरमैन सुशील जैन द्वारा अपनी फैक्ट्री में निर्मित खुशबूदार अगरबत्तियों का निशुल्क वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान एवं समापन तक अपने अपने घर से लाये स्वादिष्ट व्यंजन का आदान-प्रदान चलता रहा। कार्यक्रम के आयोजन के लिए किसी भी प्रकार का धन संग्रह नही किया गया। महिला द्वारा संचालित थाना की कौशांबी प्रभारी ने अपनी टीम के साथ आकर कार्यक्रम में भाग लिया।

सावन के सोमवार को गीता भवन में बहुत ही धूमधाम से बर्फ से बने विशाल शिव लिंग की पूजा मंदिर के मुख्य पुजारी नीरज शर्मा द्वारा असंख्य भक्तों के साथ की गई। पूजा और भंडारे का आयोजन गिरीश अग्रवाल,सतीश अग्रवाल फेमिली द्वारा किया गया था इस मौके पर विशेष रूप से आमंत्रित क्रिटिव फिल्म डायरेक्टर सीनियर जर्नलिस्ट सुनील पराशर ने कहा की कि इस मंदिर में विशेष रूप नई दिल्ली के लोग तो भोले का आशीर्वाद लेते ही है दूर दूर से भी आते है उनका मानना है कि यहां आ उनकी हर मनोकामना पूरी होती है। पंडित नीरज शर्मा ने मंदिर के अन्य पंडित मंडली संग जब भजन गाने शुरू किए तो पूरा माहौल ही संगीतमय के साथ जैसे भगवान भोले में समा गया हो।

देशभर में दशहरा पर्व 12 अक्टूबर को मनेगा

॥ शैलेश गिरी ॥

महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि प्रमुख रामलीला के पदाधिकारियों ने 12 अक्टूबर को देश भर में दशहरा पर्व बड़ी धूम धाम से मनाने का फैसला सर्वसम्मति से लिया।

सिविल लाइन में आयोजित बैठक में अर्जुन कुमार ने बताया एमसीडी, एनडीएमसी, डीडीए , दिल्ली सरकार का सलम विभाग, पी डब्लू डी, दिल्ली छावनी सभी ने अलग अलग नियम बनाए हुए, है जिससे लीला आयोजकों को हर साल मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

बैठक में मोजूद सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने लीला कमेटियो को आश्ववासन दिया में शीघ्र ही मुख्य सचिव व अन्य अधिकारियों से समस्याओं का समाधान करूंगा, मैं संघर्षो से निकाला व्यक्ति हूं, इसके लिए भले ही मुझे धरना प्रदर्शन पर जाना पड़े, क्योंकि यह रामकाज है।

महासंघ के जनरल सेक्रेटरी सुभाष गोयल के अनुसार देश भर में रामलीला का आयोजन 03 से

13 अक्टूबर को किया जाएगा, अंतिम दिन भरत मिलाप के उपरांत इस वर्ष की रामलीलाओं का समापन होगा।

इस बैठक में सर्वश्री, धीरज धर, प्रदीप शरण, सुभाष गोयल, अवतार सिंह पूर्व मेयर, महेंद्र नागपाल, सतीश गर्ग आदि ने अपने विचार रखे, इस अवसर पर सांसद महोदय का पुष्प माला, स्मृति चिन्ह, देकर स्वागत किया। विनीत कुमार की और से प्रसाद का वितरण किया गया इसके लिए उनका धन्यवाद किया गया।

गुजरात में कांग्रेस-आप विधायकों को क्यों किया गया नजरबंद

आप और कांग्रेस के एक विधायक को 'हाउस अरेस्ट' कर लिया गया और उनके समर्थकों को पिछले सप्ताह पीट-पीटकर मार डाले गए दो आदिवासियों को श्रद्धांजलि देने के लिए गुजरात के नर्मदा जिले में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की ओर जाने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एसओयू) के पास मृत आदिवासियों के लिए प्रार्थना सभा आयोजित करने की अनुमति नहीं दी थी। 6 अगस्त को नर्मदा जिले के केवडिया में एसओयू के पास निमार्णाधीन 'आदिवासी संग्रहालय' की साइट पर चोरी के संदेह में छह श्रमिकों के एक समूह ने दो आदिवासियों - जयेश तड़वी और संजय तड़वी की कथित तौर पर पिटाई की। पुलिस के मुताबिक, जयेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संजय ने 8 अगस्त को राजपीपला के एक सरकारी अस्पताल में दम तोड़ दिया। आम आदमी पार्टी के डेडियापाड़ा विधायक और आदिवासी नेता चैतर वसावा और कांग्रेस विधायक अनंत पटेल ने प्रार्थना सभा के लिए केवडिया जाने की योजना बनाई थी। पुलिस ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं दी थी। पुलिस अधीक्षक प्रशांत सुंबे ने कहा कि वसावा को नर्मदा जिले में उनके पैतृक गांव बोगज में नजरबंद कर दिया गया है।

राजस्थान की अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजू ओमप्रकाश ने किया ध्वजारोहण

देश के 78 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान सरकार की दिल्ली में अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजू ओमप्रकाश ने ध्वजारोहण किया। बीकानेर हाउस परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रीमती अंजू ओमप्रकाश ने अपने संबोधन में सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर राजस्थान के दिल्ली स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

एसआरएम आईएसटी दिल्ली एनसीआर कैंपस गाजियाबाद में स्वतंत्रता की भावना का जश्न

एसआरएम आईएसटी दिल्ली एनसीआर कैंपस गाजियाबाद के निदेशक डा. संजय विश्वनाथन के नेतृत्व में कैंपस में अपार उत्साह, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना के साथ 78वां स्वतंत्रता दिवस गर्व से मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एयर वाइस मार्शल विकास द्विवेदी की उपस्थिति ने सभी को प्रेरित किया।

एसआरएम के डीन और प्रमुखों ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और हजारों छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए नेतृत्व किया, जो हमारे देश की यात्रा और हमारी आजादी के लिए लड़ने वालों के बलिदान का सम्मान करने के लिए असीमित ऊर्जा और समर्पण के साथ आए थे। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के साथ हुई, इसके बाद एक शक्तिशाली ध्वज मार्च निकाला गया जो एकता और देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। डा. विश्वनाथन ने कहा कि सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस समारोह में भाग लिया। समारोह में सभी की उपस्थिति और उत्साह वास्तव में स्वतंत्रता की भावना का प्रतीक है और हमारे महान राष्ट्र के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आइए हम अपने हर काम में स्वतंत्रता, एकता और प्रगति के मूल्यों को कायम रखें।

डीसीआईएल, विशाखापत्तनम में स्वतंत्रता दिवस समारोह

॥ मनोज शर्मा ॥

ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) ने विशाखापत्तनम में अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में 78वें स्वतंत्रता दिवस को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। समारोह का नेतृत्व डीसीआईएल के प्रबंध निदेशक और सीईओ दुर्गेश कुमार दुबे, आईआरटीएस ने किया, जिन्होंने डीसीआईएल कर्मचारियों और उनके परिवारों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। दुबे ने डीसीआईएल के शानदार 50 साल के इतिहास पर विचार किया, और देश के बंदरगाहों में नौवहन चैनलों को बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे डीसीआईएल के निरंतर प्रयासों ने समुद्री व्यापार और देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री दुबे ने डीसीआईएल की महत्वाकांक्षी भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बात की, और देश भर में कई आगामी परियोजनाओं का उल्लेख किया। ये पहल कंपनी को चालू वित्त वर्ष के लिए 2,000 करोड़ रुपये के अपने टर्नओवर लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ाएगी। उन्होंने बंदरगाह क्षेत्र में डीसीआईएल के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया और आशा व्यक्त की कि आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के तहत गोदावरी नामक स्वदेशी रूप से निर्मित 12,000 हॉपर क्षमता वाले बीगल सीरीज ड्रेजर के जुड़ने से अगले कुछ वर्षों में

ड्रेजिंग उद्योग में डीसीआईएल की स्थिति और मजबूत होगी।

डीसीआईएल के अध्यक्ष डॉ. एम. अंगमुथु, आईएएस की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए, श्री दुबे ने विभिन्न बंदरगाहों और हितधारकों से समर्थन जुटाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, जो संगठन के समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक रहा है। श्री दुबे ने समय पर परियोजना पूरी करने के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह ग्राहकों का विश्वास और भरोसा बनाने के लिए आवश्यक है। कंपनी रणनीतिक हस्तक्षेप के माध्यम से अपनी वित्तीय स्थिति को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है, वहीं उन्होंने सभी कर्मचारियों से कंपनी की निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अतिरिक्त प्रयास करने का आग्रह किया।

समारोह में, एमडी और सीईओ ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार और स्मृति चिन्ह वितरित किए।कार्यक्रम का समापन डॉ. पी.के. सेठी, महाप्रबंधक (एचआर) द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

कार्यक्रम में कैप्टन एस. दिवाकर, सीजीएम, श्री ई. किरण, सीएफओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी एम.आर. नटराजन, पीआर और एमसीओ, ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, लिमिटेड भी इस अवसर पर उपस्थित थे

शहीद भगत सिंह नोबेल अवार्ड-2024

॥ विवेक जैन ॥

मंड़ी हाउस स्थित लिटिल थियेटर ग्रुप ऑडिटोरियम में उड़ान एक पहल फाउन्डेशन द्वारा शहीद भगत सिंह नोबेल अवार्ड–2024 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहीद ए आजम भगत सिंह के पौत्र यादविन्द्र सिंह संधू, पद्म श्री से सम्मानित जितेन्द्र सिंह शंटी, राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ममता शर्मा, यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के जय भगवान गोयल ने मुख्य अतिथि, कमांड़ो सुरेन्द्र सिंह, कालका मंदिर के पुजारी सुनील सन्नी, रूबी फोगाट यादव, दिल्ली पुलिस की सब इंस्पेक्टर किरन सेठी, इंटरनेशनल हुमन राइटस प्रोटेक्शन काउंसिल के चेयरमैन डाक्टर टीएम ओंकार व शहीद भगत सिंह बिग्रेड की दिल्ली विंग के सदस्यों ने अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के आयोजक एवं उड़ान एक पहल फाउन्डेशन के चेयरमैन डाक्टर दीपक मित्तल ने आये हुए सभी अतिथियों

का फूलमाला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, बुके व प्रतीक चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया। आडिटोरियम में बैठे लोगों ने कार्यक्रम में आये अतिथियों का ताली बजाकर अभिनन्दन किया। इसके उपरान्त अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न प्रदेशों से आये हुए लगभग 60 देशभक्तों व समाजसेवियों को शॉल ओढ़ाकर, मेड़ल पहनाकर, मोमेन्टो व प्रमाण–पत्र भेंट कर शहीद भगत सिंह नोबेल अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में यादविन्द्र सिंह संधू द्वारा सभी लोगों को शहीद भगत सिंह जी द्वारा जेल में लिखी डायरी की पुस्तक भेंट की गयी। कार्यक्रम में सेल्फ डिफेंस ट्रेनर दिल्ली पुलिस एवं गायक डाक्टर शिव कुमार कोहली ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीत सुनाये जिस पर आडिटोरियम में बैठे सभी जन देशभक्ति के रंग में झूम उठे। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा देशभक्ति पर आधारित नृत्य व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रामलीला के लिए निगम देगा 40 दिन के लिए निशुल्क ग्राउंड

श्री रामलीला महासंघ का प्रतिनिधि मंडल दिल्ली की रामलीलाओं को आ रही परेशानी को लेकर दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्विनी कुमार से मिला। महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने अवगत कराया कि दिल्ली में नगर निगम के अलग–अलग जोन में रामलीला के लिए ग्राउंड की परमिशन 15 दिन की दे रहे हैं पिछले वर्ष निगम द्वारा 40 दिन के लिए निगम ग्राउंड निशुल्क, प्रचार के बैनर एवं होर्ल्डिंग की परमिशन, डीटीडी पाउडर, दवाइयां का छिड़काव,मेले, झूले के प्रमाण पत्र, ग्राउंडों पर स्ट्रीट लाइट, सफेदी,शौचालय,बदरपुर का छिड़काव, गमले, पेड़ पौधे, निशुल्क आदि की सुविधा मिलती रही हैं।

दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्विनी कुमार ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि निगम की ओर से पिछले वर्षों में जो सुविधा रामलीलाओं को मिलती रही हैं वह इस वर्ष भी सभी सुविधाएं रामलीलाओं को मिलेगी।

श्री रामलीला महासंघ प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष अर्जुन कुमार, महासचिव सुभाष गोयल, जत्थेदार अवतार सिंह पूर्व महापौर, कृष्ण बसिया, प्रवीण कपूर, अमित अग्रवाल आदि सम्मिलित हुए। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल की ओर से निगम आयुक्त श्री अश्विनी कुमार को प्रभु श्री राम का चित्र, रामायण, शाल, भेंट कर सम्मान किया गया।

महासंघ के अध्यक्ष श्री अर्जुन कुमार ने निगम द्वारा दी गई सभी सुविधाओं के लिए श्री अश्वनी कुमार निगम आयुक्त का धन्यवाद किया।

एसोसिएशन फार ब्लांड पर्सन ने मनाया अपना 12वां स्थापना दिवस

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड पर्सन्स संस्था के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा दृष्टि बाधित छात्राओं के लिए संत नगर बुराड़ी में संचालित किए जाने वाले छात्रावास में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रावास की दृष्टि बाधित छात्राओं ने गायन,नृत्य व भाषण के द्वारा लोगो समय बांध कर रख दिया। इन छात्राओं की प्रतिभा देखकर अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है कि यह दृष्टिहीन है

संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार विजय शंकर चतुर्वेदी ने की। मुख्य अतिथि करावल नगर कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने छात्राओं की प्रतिभा व संस्था द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर स्मारिका का विमोचन भी किया गया। जिसमें सन्त नगर बुराड़ी की भगत कालोनी में संचालित इस एसोसिएशन विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है वहीं एसोसिएशन आर्थिक परेशानियों का भी जिक्र किया गया।

इस अवसर पर सम्मलित समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने संस्था की मदद का आश्वासन दिया जिनमें सच्चियाय माताजी भक्त मण्डल के सदस्य शांतिलाल, शंकरलाल, महेंद्र बोथरा आदि प्रमुख थे। संस्था के संचालक राजेन्द्र यादव स्वयं दिव्यांग हैं। वह दिव्यांगों की मुश्किलें बखूबी समझते हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने इस संस्था की स्थापना 11 अगस्त 2011 को की थी। इस संस्था के छात्रावास में 25 से 30 छात्राएं रह रहीं हैं। संत नगर बुरारी के एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड पर्सन्स संस्था के 12वें स्थापना दिवस व भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्था की दृष्टि बाधित छात्राओं की प्रतिभा को देखकर आप दंग रह जाएंगे। समाज को ऐसे जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन संदेश कपूर ने किया संस्था के सचिव विजय कुमार, कोषाध्यक्ष रोजी गौतम महिला विभाग की सचिव राखी अरोड़ा, दीपांशु यादव, नितिन कुमार, मुन्ना प्रसाद कार्यक्रम में सहयोग किया। इस अवसर पर दृष्टिबाधित छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत-नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। अंत में झंडारोहण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हरियाणा : कांग्रेस के कामों को गिनवा रही भाजपा : दीपेंद्र हुड्डा

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा फतेहाबाद की अनाज मंडी पहुंचे। यहां उन्होंने 'हरियाणा मांगे हिसाब' कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस के कामों को गिनवा रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी फतेहाबाद आए थे और कांग्रेस के कामों को गिनवा कर चले गए। इस मामले में लीपापोती करने के लिए अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया। अब भाजपा की सरकार जाने में एक महीना शेष रह गया है। वो सिलेंडर के दाम कम किए गए हैं, जबकि कांग्रेस सिलेंडर के दाम को लेकर पिछले 10 सालों से आवाज उठा रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 500 का सिलेंडर देने का वादा किया, तो अब भाजपा सरकार ने भी इसी तरह की घोषणा कर डाली, लेकिन कहा जा रहा है कि 500 का सिलेंडर नवंबर के

बाद मिलेगा। यानी इस सरकार में आखिरी रोटी भी महंगे सिलेंडर पर ही बनाए जाएगी। मुख्यमंत्री के पास फतेहाबाद में गिनवाने के लिए काम नहीं थे तो उन्होंने इसी मंच से हुड्डा सरकार के दौरान हुए कामों को गिनवा डाला।

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि मुख्यमंत्री विपक्ष से ही हिसाब मांगने लगे। विपक्ष हिसाब मांगता है, हिसाब मांगना सरकार का काम नहीं। यानी आप भी मान रहे हो कि कांग्रेस सत्ता में आ रही है और भाजपा सत्ता से जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस में टिकट मांगने वालों की लाइन लगी हुई है, ढाई हजार के करीब लोगों ने आवेदन किया है। लेकिन भूपेंद्र सिंह हुड्डा साफ तौर पर कह चुके हैं, कि जो उम्मीदवार टिकट के लायक होगा, उसे ही टिकट दिया जाएगा, बाकी बचे आवेदकों को भी कांग्रेस में पूरी तरजीह मिलेगी। बता दें कि हरियाणा में इसी साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर 2024 को समाप्त होने वाला है। इससे पहले 90 सदस्यों वाली हरियाणा विधानसभा के लिए चुनाव होना है। इसी के चलते राजनीतिक पार्टियां सक्रिय हो गई हैं और एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का भी दौर शुरू हो गया है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मूर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर नई दिल्ली में उनके स्मारक सदैव अटल पर आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के निवास पर ज्ञापन देनी गई दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्षा पुष्पा सिंह के साथ अन्य महिला कार्यकर्तायों को नार्थ ऐवेन्यू पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज किया गया जिसके कारण नोटिस के द्वारा महिला कार्यकर्ताओं को जिसमें संतोष मलिक, सुनीता धवन, प्रियंका अग्रवाल, पिंकी साहनी, पुष्पा कुमारी, सुनीता कुमारी, रीटा, मोहनी बुलाया गया, नार्थ ऐवेन्यू पुलिस स्टेशन में डिटेन करके रखा गया सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक नहीं छोड़ा गया तो अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्षा श्रीमती अलका लाम्बा ने पुलिस स्टेशन पहुँच कर पुलिस अधिकारियों से पूछा किआपने महिला कांग्रेस की महिलाओं को किसलिए रोक रखा है उनके विरोध करने पर महिला कांग्रेस की साथियों को छोड़ा गया। महिलाओं ने कहा कांग्रेस जिंदाबाद जोर जुल्म की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है।

आदेश भारद्वाज ने तिरंगे को सलामी देकर शहीदों को याद किया

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर देश भर में हर्षोल्लास से ध्वजारोहण कर आजादी के वीर सेनानियों को याद किया गया। देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाली कांग्रेस ने भी अपने प्रदेश से लेकर जिला और बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर समाज में एकता का संदेश देने का प्रयास किया। इसी कड़ी में करावलनगर जिला कार्यालय में भी वरिष्ठ कांग्रेसी एडवोकेट सतीश त्यागी की अध्यक्षता में ध्वजारोहण कार्यक्रम किया गया जिसमें जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने तिरंगे को सलामी देकर आजादी के अमर वीर शहीदों को याद करते हुए कहा कि आज हम जिस आजादी की आबो हवा में सांस ले रहे हैं उसके लिए हमे अपने स्वतंत्रता सेनानियों का शुक्रगुजार होना चाहिए जिन्होंने खुद कुर्बान होकर हमारे लिए आजादी और लोकतंत्र के रास्ते खोल दिए।

आदेश भारद्वाज ने आगे कहा कि देश आज अगर विश्वपटल पर सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है तो उसमें कांग्रेसी नेताओं की दूरगामी सोच का बहुत बड़ा योगदान है।

जिस वक्त देश आजाद हुआ किसी ने नहीं सोचा था कि किसी देश की सरकार को चुनने में आम जनता का अहम योगदान हो जाएगा। बरसों की गुलामी देखने के बाद अगर गांधी, नेहरू, पटेल, मौलाना आजाद या आंबेडकर जैसे हमारे नेता चाहते तो राजतंत्र की तरह राज कर सकते थे लेकिन वो जानते थे कि देश देश के लोगों से चलता है

हो देश को चलाने का अधिकार भी जनता को मिलना चाहिए। लेकिन आज के सत्ताधारी लोग उनका चरित्रहनन कर अपने आपको श्रेष्ठ साबित करने में लगे हुए हैं। लेकिन उनकी जुमलेबाजी भी नीतियों से देश को बरसों पीछे पहुंचा दिया। जिसके चलते आज आवाम फिर से कांग्रेस की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। और कांग्रेस भी हरसंभव ट्रैक से उनकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

इस मौके पर कादीपुर ब्लॉक अध्यक्ष खेमचंद सैनी, ननुआ प्रधान, श्याम सिसोदिया, उमा शर्मा सुरेंद्र कोच बीर सिंह देवेंदर सिंह मनोज कुमार फादर बलजीत सिंह शर्मा ओम कार सूद गोविन्द सिंह सुखबीर सिंह सुजीत सिंह चंदन चौबे, परवीन भड़ाना राम कुमार त्यागी बॉबी भारद्वाज संजीव भारद्वाज, एडवोकेट आदित्य।

भारद्वाज कालीचरण पंवार चेयरमैन गीजिंदर ओझा घमंडी लाल प्रधान पी एस रावत रेखा रानी बिज्रिंदर चौधरी एडवोकेट ए बी शुक्ला संजीव मिश्रा माइकल आर पी झा देवेंदर शर्मा सुबाश चक्रवर्ती उमेश मिश्रा मुकेश शर्मा पूर्व अध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

हिन्दू धर्म के कुछ महान दानवीर

हिन्दू धर्म में दान का बहुत अधिक महत्त्व बताया गया है। जब भी हम दानवीरता की बात करते हैं तो हमारे मष्तिष्क में सहसा अंगराज कर्ण की तस्वीर बनती है। वे निःसंदेह दानवीर थे किन्तु हमारा हिन्दू धर्म तो दानवीरों से भरा पड़ा है। वैसे तो इतिहास में एक से बढ़ कर एक दानवीर हुए हैं किंतु कुछ दानवीर ऐसे हैं जिन्होंने दान की हर सीमा को पार कर दिया इसीलिए इनकी श्रेणी अन्य दानवीरों की अपेक्षा अलग ही बन गयी। आइये ऐसे ही कुछ दानवीरों के विषय में जानते हैं:

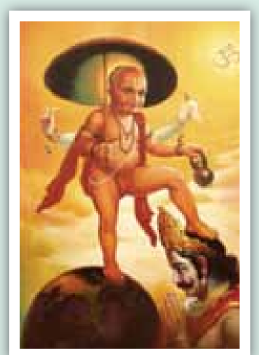

दैत्यराज बलि:

प्रह्लाद के पौत्र एवं विरोचन के पुत्र, इन्हें सबसे बड़ा दानवीर माना जाता है जिन्होंने भगवान वामन को ना सिर्फ पृथ्वी एवं स्वर्ग, अपितु स्वयं को भी दान दे दिया। इन्होंने भगवान वामन को तीन पग भूमि दान देने का निश्चय किया, वो भी ये जानते हुए कि वे साक्षात विष्णु अवतार हैं। जब वामनदेव ने दो पगों में पृथ्वी और स्वर्ग को नाप लिया तब तीसरे पग के लिए उन्होंने अपना शीश आगे कर दिया। इससे वामनदेव अत्यंत प्रसन्न हुए और इन्हें चिरंजीवी बना कर पाताल लोक का स्थायी राज्य प्रदान किया। बाद में जब इन्होने भगवान विष्णु से वर प्राप्त कर उन्हें पाताल लोक में रोक लिया तब माता लक्ष्मी ने इन्हे राखी बाँधी और श्रीहरि को वापस मांग लिया। तब बलि ने सहर्ष श्रीहरि को लौटा दिया। आज भी पूजा में हम इन्ही बलि के श्लोक को पढ़ते है - 'येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलः तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचलः।'

महर्षि दधीचि:

महर्षि अथर्वण के पुत्र एवं ब्रह्मा के पौत्र ने दान की सर्वोत्तम परिभाषा स्थापित की। इन्होंने अनंतकाल तक तप कर अथाह पुण्य अर्जित किया। जब वृत्रासुर ने अत्याचार किया तो उसके वध के लिए इंद्र को एक महान दिव्य अस्त्र की आवश्यकता पड़ी। सभी ने उनसे कहा कि केवल महर्षि दधीचि की अस्थियों में उनके संचित पुण्य के कारण इतना बल है कि उसी से बने अस्त्र से वृत्रासुर का वध हो सकता है। इस पर इंद्रदेव ने बड़े संकोच के साथ महर्षि दधीचि को अपनी समस्या बताई। तब उस अस्त्र के लिए दधीचि ने अपने तत्काल प्राणों का त्याग कर दिया और उनकी अस्थियों से विश्वकर्मा ने वज्र का निर्माण किया जिससे इंद्र ने वृत्र का वध किया।

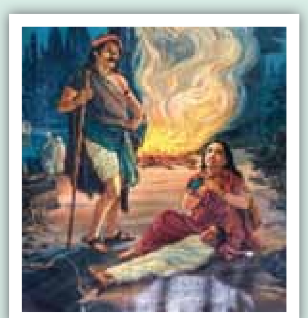

राजा हरिश्चंद:

इन्होंने तो दान की सारी सीमाएं पार कर दी। ये श्रीराम के पूर्वज थे जिन्होंने दान में अपना सारा साम्राज्य महर्षि विश्वामित्र को दे दिया। तब विश्वामित्र ने दक्षिणा के रूप में इनसे तीन स्वर्ण मुद्राएं और मांगी। उसका प्रबंध करने हेतु उन्होंने स्वयं को एक शमशान के चांडाल को बेच दिया और तीन स्वर्ण मुद्राएं महर्षि विश्वामित्र को दक्षिणा के रूप में दी। धर्म के लिए अपनी पत्नी और पुत्र का दान कर दिया। जब इनका एकमात्र पुत्र मर गया तब भी इन्होंने सत्य का मार्ग नही छोड़ा और अपनी पत्नी से अपने ही पुत्र को जलाने के लिए 'कर' मांगा। वो कहाँ से देती? तब उन्होंने अपनी साड़ी का आधा भाग फाड़ कर अपने पति को ही दान दिया। तब आकाश से देवताओं ने पुष्पवर्षा की और महर्षि विश्वामित्र ने इनकी सारी संपत्ति लौटा दी। इस घटना के बाद इनका यश युग युगांतर तक फैल गया।

राजा शिबि:

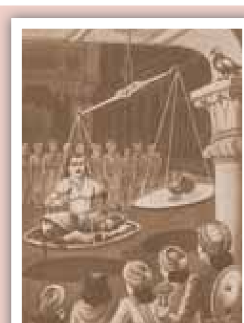

ये राजा उनीशर के पुत्र थे। एक बार धर्मराज ने इनकी परीक्षा लेने के लिए एक कबूतर के रूप में इनके पास गए और एक बाज से अपने प्राणों की रक्षा करने को कहा। मायारूपी बाज ने कहा कि वो राजा हैं इसीलिए उसके भोजन का प्रबंध करना भी उनका दायित्व है। तब महाराज शिबि ने कबूतर के भर के बराबर अपना मांस देना स्वीकार कर लिया। वो एक पडले में कबूतर को रख कर दूसरे में अपने शरीर का मांस काट काट कर रखने लगे। किन्तु जब पडला नही झुका तो अंततः वे स्वयं तराजू पर बैठ गए, जिससे भार बराबर हो गया। तब शिबि ने बाज से कहा कि वो उन्हें खा ले। तब धर्मराज ने उन्हें दर्शन दिए और अनेक आशीर्वाद दिए।

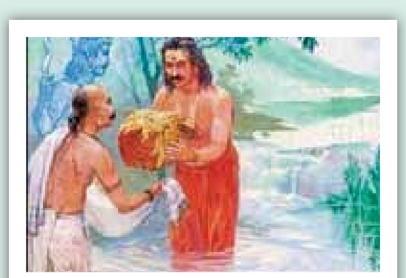

कर्ण:

इनकी दानवीरता के विषय में तो सबको पता ही है। इनकी दानवीरता की चर्चा से महाभारत भरा हुआ है। प्रतिदिन सूर्य पूजा के बाद इनके पास जो कुछ भी होता था वो ये दान कर देते थे। इनके द्वार से कोई याचक खाली नही गया। इन्होंने ये जानते हुए की इंद्र अर्जुन की सहायता के लिए मांग रहे हैं, अपना कवच कुंडल काट कर दान दे दिया। कुंती को दान के रूप में इन्होंने अर्जुन को छोड़ कर शेष ४ पांडवों का जीवन दिया और इसी कारण युधिष्ठिर, भीम, नकुल एवं सहदेव को परास्त करने के बाद भी उनके प्राण नही लिए। इसके अतिरिक्त भी इनकी दानवीरता की कई कथायें प्रसिद्ध हैं जिनमें से एक श्रीकृष्ण द्वारा कर्ण की दानवीरता की परीक्षा और दूसरा अंतिम समय में कर्ण के द्वारा दिया गया दान के विषय में है।

राशिफल साप्ताहिक

11 से 17 अगस्त 2024

मेष: यह सप्ताह शुभता और लाभ को लिए है। सप्ताह के प्रारंभ से ही आपको अपने कार्यों में मनचाही सफलता मिलती हुई नजर आएगी। अधिकारी वर्ग के साथ आपकी निकटता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी तो वहीं व्यवसाय से जुड़े लोग अपने कामकाज का विस्तार करने की योजना को अमलीजामा पहनाते हुए नजर आएंगे।

वृषभ: यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपके सुख, संपत्ति और यश में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपको कार्य विशेष के लिए सम्मानित किया जा सकता है। नौकरीपेशा लोगों की मनचाहे स्थान पर तबादले की मनोकामना पूरी होगी। पद में वृद्धि के पूरे योग बन रहे हैं तो वहीं बिजनेस करने वाले लोग किसी बड़े व्यावसायिक अनुबंध को कर सकते हैं।

मिथुन: इस सप्ताह किसी भी काम को जल्दबाजी में करने बचना चाहिए अन्यथा आर्थिक और शारीरिक कष्ट मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में अपना कार्य किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने अथवा उसमें लापरवाही बरतने से बचना चाहिए अन्यथा आप अपने बॉस के गुस्से का शिकार हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे।

कर्क: यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप बेरोजगार हैं और इन दिनों नौकरी के लिए प्रयासरत हैं तो आपको इसे पाने के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं पहले से कार्यरत लोगों को कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानी से जूझना पड़ सकता है।

सिंह: यह सप्ताह थोड़ा परेशानियां और चिंता लिए रह सकता है। सप्ताह के प्रारंभ में नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। इस दौरान आपको छोटे से छोटे से काम को करने में अतिरिक्त समय लग सकता है। कामकाज के सिलसिले में आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या: इस सप्ताह अपने सोचे हुए कार्य को समय से पूरा करने में कामयाब होंगे। इस सप्ताह साथी-संगी और परिजन आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे और लक्ष्य विशेष की प्राप्ति सहायक बनेंगे। सप्ताह के प्रारंभ में किसी मांगलिक अथवा धार्मिक कार्य में सहभागिता के योग बनेंगे। इस दौरान अचानक से किसी तीर्थ विशेष की यात्रा भी संभव है।

तुला: यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है। सप्ताह के प्रारंभ में ही आपको कोई बड़ी मनोकामना पूरी हो सकती है। इस दौरान आपको अपने करियर और कारोबार से जुड़ा सुखद समाचार प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों की मनचाही जगह पर तबादले अथवा पदोन्नति की कामना पूरी हो सकती है। पदोन्नति से न सिर्फ कार्यक्षेत्र में बल्कि समाज में भी आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक: इस सप्ताह आलस्य और अभिमान से बचते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति पर फोकस रखते हैं तो उन्हें मनचाही सफलता मिल सकती है। इस सप्ताह लोगों को मिलाजुलाकर चलना आपके लिए हितकर साबित होगा। आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। सप्ताह के मध्य में आप सुख-सुविधा से जुड़ा कोई बड़ा समान खरीद सकते हैं।

धनु: इस सप्ताह हारिए न हिम्मत, बिसारिए न रामह्न का मंत्र हमेशा याद रखना होगा क्योंकि इस हफ्ते आपको जीवन से जुड़ी हुई तमाम बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य थोड़े देरी से पूरे होंगे और उसमें आपको तमाम तरह की अड़चन आ सकती है। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

मकर: यह सप्ताह शुभता और लाभ को लिए हुए है। सप्ताह के प्रारंभ में घर-परिवार के किसी प्रिय सदस्य की सफलता से आपके मान-सम्मान और सुख में वृद्धि होगी। घर में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। इस सप्ताह सत्ता-सरकार से जुड़े किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से कोई बड़ा काम पूरा होगा।

कुंभ: इस सप्ताह किसी भी कार्य में शार्टकट लेने और नियम-कानून को तोड़ने से बचना चाहिए अन्यथा उन्हें आर्थिक नुकसान झेलने के साथ शारीरिक एवं मानसिक कष्ट भी झेलना पड़ सकता है। सप्ताह के प्रारंभ में संतान से जुड़ी कोई बड़ी समस्या आपकी चिंता का कारण बनेगी। इस दौरान आपको घर और बाहर अपने प्रियजनों का सहयोग और समर्थन कम मिल पाएगा।

मीन: यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह कार्य विशेष में सफलता पाने के लिए छल-बल आदि सभी चीजों का प्रयोग करेंगे। खास बात यह कि आपके द्वारा किए गये प्रयास सफल भी साबित होंगे। कार्यक्षेत्र में आप पर सीनियर और जूनियर दोनों मेहरबान रहेंगे। इस सप्ताह कारोबार में बड़े आर्थिक लाभ के योग बनेंगे।

भारत के पर्यटन स्थल

कन्याकुमारी

कन्याकुमारी तीनों ओर से असीमित पानी से घिरा हुआ है। एक ओर अरब सागर है, दूसरी ओर हिन्द महासागर और तीसरी तरफ बंगाल की खाड़ी। यहाँ सूर्यास्त होने का नजारा एक अनोखा अनुभव है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।यहाँ आपको दक्षिण भारतीय संस्कृति देखने को मिलेगी। अगर आप दक्षिण भारतीय लजीज़ पकवानों के शौकीन हैं तो यहाँ जरूर आइए। कुछ अन्य जगह भी हैं जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हुई हैं जैसे विवेकानंद रॉक मैमोरियल, थिरुवल्लुवर मूर्ति, भगवती अम्मन मंदिर, कन्याकुमारी बीच और पदम्नाभापुरम महल।

गोवा

यह शहर यहाँ मौजूदा बीचों के लिए लोकप्रिय है। आप यहाँ किसी भी मौसम में आकर अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी को विश्राम दे सकते हैं। सुबह की शुरूआत पानी के खेलों से कीजिए, फिर शाम को ढलते सूरज को देखते हुए इसे कैमरे में कैद कीजिए, और रात को क्लब में पैर थिरकाते हुए बिताइए। आपको एक ही दिन में विभिन्न प्रकार के लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा । आप यहाँ चर्च अथवा मंदिर में जाकर मन को कुछ पल की शांति प्रदान कर सकते हैं।

अमृतसर

अमृतसर पंजाब का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र शहर माना जाता है यह शहर पवित्र इसलिए भी माना जाता है क्योंकि सिखों का सबसे बड़ा गुरुद्वारा स्वर्ण मंदिर अमृतसर में ही बना हुआ है जो की दुनिया भर से और भारत के करोडो लोगों द्वारा देखा जाता है ताजमहल के बाद सबसे ज्यादा पर्यटक अमृतसर के स्वर्ण मंदिर को ही देखने के लिए आते है।

अजंता एवं एलोरा की गुफाऐं

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित यह गुफाऐं बहुत-सी चट्टानों को काटकर बनाई गई है। गुफा के अंदर आपको खूबसूरत बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रकारी और मूर्तियां देखने को मिलेंगी। प्राचीन काल में बनाई गई ये गुफा कडे. परिश्रम का नतीजा है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर के रूप में रखा है। भारत में पर्यटन स्थल लोगों को हमेशा अपनी ओर आकर्षित करने में तत्पर रहते हैं। ऐसी अनोखी गुफा आपको मंत्रमुग्ध किए बिना मानेगी नहीं और आप यहाँ आने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

वाराणसी

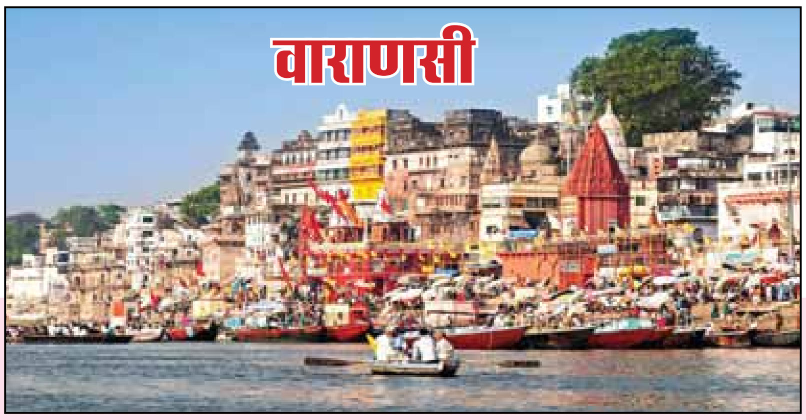

धार्मिक स्थलों में से एक स्थल वाराणसी है जहाँ पूजा-पाठ और भक्ति के रंग में सब रंगे होते हैं। मंदिर की घंटियाँ भक्त को ईश्वर तक पहुँचाती है। गंगा की पवित्र धारा सब पर अपना आशीर्वाद बिखेरती चलती है। सूरज डूबते ही हर शाम यहाँ गंगा आरती होती है और पुजारियों के हाथ से घूमते बड़े-बड़े दिये जैसे शाम को जगमगा देते हैं।अगर आप धार्मिक प्रवृत्ति के हैं तो यहाँ आकर अपनी भक्ति को पूरा कीजिए। भारत में पर्यटन करते समय यहाँ अवश्य जाएं।

शिलांग

शिलांग भारत के उत्तर पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है पूर्व उत्तर में बसा शिलांग हमेसा से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है यह इतना खुबसूरत है की इसे भारत का स्कॉट लैंड भी कहा जाता है।

लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर का मौसम हमेसा सुहावना बना रहता है। दोस्तों पहले शिलांग असम की राजधानी हुआ करता था जो अपनी आनंद दायक जलवायु और पूर्वी बंगाल से नजदीक होने के कारण शिलांग उत्तर पूर्व का पसंदीदा हिल स्टेशन है। ठंड और बरसात के मौसम में शिलांग घूमना सबसे अच्छा माना जाता है यानि की मार्च अप्रैल और सितम्बर अक्टूबर में आप यहाँ घूमने जा सकते है साथ ही आप अगर चाहे तो जनवरी फरवरी में यहाँ घूम सकते हैं।

संकलन: स्वाति चतुर्वेदी

स्थिरता को मिला केंद्र स्थानः AMHSSC और ब्लूसाइन® ने वस्त्र उद्योग के लिए इनोवेटिव ई-लर्निंग कोर्स किया लॉन्च

|| मनोज शर्मा ||

अपैरल मेड-अप्स एंड होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल (AMHSSC)ने ब्लूसाइन® के सहयोग से "फाउंडेशन टू अपैरल सस्टेनेबिलिटी" ई-लर्निंग कोर्स लॉन्च किया। यह समापन कार्यक्रम, जो तिरुप्पुर से शुरू हुआ था, भारत के परिधान और कपड़ा क्षेत्र में स्थायी और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह समारोह नोएडा के रेडिसन ब्लू एमबीडी होटल में आयोजित किया गया।

भारत का वस्त्र और परिधान उद्योग राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख आधार है, जो जीडीपी के लगभग 2% और विनिर्माण उत्पादन के 18% के लिए जिम्मेदार है। यह क्षेत्र सीधे तौर पर 45 मिलियन लोगों को रोजगार देता है और संबंधित उद्योगों में 60 मिलियन से ज्यादा लोगों को समर्थन देता है। विश्व के 5वें सबसे बड़े निर्यातक के रूप में, भारत की भूमिका इस क्षेत्र में सतत विकास की आवश्यकता को उजागर करती है।

इस कार्यक्रम में उद्योग के प्रमुख लीडर्स ने भाग लिया, जिनमें AMHSSC के चेयरमैन पद्मश्री डॉ. ए. सक्थिवेल, डायरेक्टर ऑफ कस्टमर रिलेशंस ब्लूसाइन टेक्नोलॉजीज कैथरीन वेरेना मेयर, महाराणा ऑफ इंडिया के मालिक ललित ठुकराल, AEPC के कार्यकारी कमेटी सदस्य अनिमेष सक्सेना, AEPC महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर शामिल रहे। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

"फाउंडेशन टू अपैरल सस्टेनेबिलिटी" कोर्स, जो ब्लूसाइन® अकादमी द्वारा AMHSSC के सहयोग से विकसित किया गया है, सितंबर 2024 में शुरू होगा। यह कोर्स 8 सप्ताह तक चलने वाले ऑनलाइन मॉड्यूल प्रारूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें प्रति सप्ताह एक ई-लर्निंग सत्र शामिल होगा। इसका उद्देश्य वस्त्र उद्योग में पर्यावरण, सामाजिक, और शासन (ESG) के पहलुओं की गहन समझ प्रदान करना है, जिसमें विशेष रूप से भारतीय बाजार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह कोर्स भारत के 2070 तक नेट जीरो हासिल करने के लक्ष्य का समर्थन करता है, जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिज्ञा की गई थी, और उद्योग के लीडर्स को स्थायी प्रथाओं को लागू करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

यह कोर्स प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है जिसे वे सीधे निर्माण इकाइयों में लागू कर सकते हैं। परिधान उद्योग में वरिष्ठ और मध्य प्रबंधन के लिए तैयार किया गया यह कोर्स इन लीडर्स को जिम्मेदार परिवर्तन लाने और भारत को स्थिरता में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरने में समर्थन करता है। इसमें स्थिर फैशन की परिभाषा, फैशन उद्योग का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, स्थिर फाइबर्स, इको-फ्रेंडली टेक्सटाइल प्रक्रियाएं, प्रभाव और फुटप्रिंट आकलन, रासायनिक प्रबंधन और खतरा आकलन, परिधान स्थिरता में सामाजिक और नैतिक पहलू, और स्थिरता रिपोर्टिंग जैसे विषय शामिल हैं।

यह पहल न केवल भारत के वस्त्र और परिधान क्षेत्र में जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण के लिए नए मानक स्थापित करती है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय अपेक्षाओं और नैतिक और स्थिर उत्पादों की बढ़ती उपभोक्ता मांगों के साथ भी मेल खाती है।यह कोर्स स्थानीय उद्योग प्रथाओं को बदलने, स्थिरता को बढ़ावा देने और शहर के जीवंत वस्त्र क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने का लक्ष्य रखता है।

AMHSSC चेयरमैन पद्मश्री डॉ. ए. सक्थिवेल ने कहा, "आज, मैं पूरे नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर और महाराणा ऑफ इंडिया के मालिक ललित ठुकराल का इस जागरूकता कार्यक्रम और 'फाउंडेशन ऑफ अपैरल सस्टेनेबिलिटी' ई-लर्निंग कोर्स के लॉन्च के लिए उनके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मैं ब्लूसाइन® टेक्नोलॉजीज को इस बाजार-चालित ई-लर्निंग कोर्स को पेश करने और भारतीय परिधान क्षेत्र के साथ अपनी साझेदारी के लिए भी धन्यवाद देना चाहता हूं।"

ललित ठुकराल ने कहा, "नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर को डॉ. ए. सक्थिवेल के दूरदर्शी नेतृत्व से बहुत लाभ हुआ है। मैं उनके परिधान और वस्त्र उद्योग में असाधारण योगदान की सराहना करता हूं। मुझे यह घोषणा करते हुए भी खुशी हो रही है कि नोएडा में जल्द ही एक अपैरल पार्क बनेगा, जिसमें 125 फैक्ट्रियां होंगी। इन सभी फैक्ट्रियों का निर्माण ग्रीन फैक्ट्रियों के रूप में किया जाएगा, जो अन्य परिधान निर्माताओं और क्लस्टरों के लिए एक मानक स्थापित करेंगी।"

AEPC के कार्यकारी कमेटी सदस्य अनिमेष सक्सेना ने इस कोर्स के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "निकट भविष्य में ESG अनुपालन परिधान निर्माताओं और निर्यातकों के लिए वैकल्पिक नहीं रहेगा, बल्कि अनिवार्य हो जाएगा। क्योंकि हमारे उद्योग का 90% हिस्सा टएर२ से बना है, यह कोर्स और ब्लूसाइन® टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी इन व्यवसायों को महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करेगी और उन्हें फलने-फूलने में मदद करेगी।"

डायरेक्टर ऑफ कस्टमर रिलेशंस ब्लूसाइन टेक्नोलॉजीज कैथरीन वेरेना मेयर ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा, "मैं डॉ. सक्थिवेल की भारत के अपैरल मेड-अप्स एंड होम फर्निशिंग सेक्टर के लिए उनकी दूरदर्शी दृष्टि के लिए सराहना व्यक्त करना चाहती हूं। भारतीय परिधान निर्यातकों के साथ साझेदारी करके ब्लूसाइन® का उद्देश्य भारतीय वस्त्र उद्योग को स्थिरता में वैश्विक पहचान और नेतृत्व दिलाने में मदद करना है।"

AMHSSC और ब्लूसाइन® वस्त्र और परिधान क्षेत्र के सभी हितधारकों को इस परिवर्तनकारी कोर्स में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। मिलकर हम उद्योग के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं, जो न केवल व्यवसायों के लिए बल्कि पर्यावरण और समाज के लिए भी लाभदायक होगा।

सीआईआई यूपी हेल्थ समिट 2024: नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में पहला हेल्थ ट्रेनिंग सत्र

ग्रेटर नोएडा, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) यूपी हेल्थ समिट 2024 का पहला हेल्थ ट्रेनिंग सत्र नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (NIU) के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक छात्रों की उपस्थिति में, डिजिटल स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित चचाएँ की गईं।

सीआईआई यूपी राज्य की उपाध्यक्ष और यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड की एमडी, डॉ. उपासना अरोड़ा ने सत्र की शुरुआत करते हुए उत्तर प्रदेश को "उत्तम प्रदेश" बनाने के लिए हर छात्र को हेल्थकेयर का ब्रांड एम्बेसडर बनाने की बात कही।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ. देवेश कुमार सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य ने हेल्थकेयर को अधिक सुलभ और उन्नत बनाया है।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. विक्रम सिंह ने छात्रों से सत्र में धैर्यपूर्वक सुनने और सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया।

मुख्य अतिथि और NABH के सीईओ, डॉ. अतुल मोहन कोच्चर ने 2047 तक भारत की स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को सुधारने के उद्देश्य पर जोर दिया।

फेलिक्स हॉस्पिटल्स, नोएडा के चेयरमैन और निदेशक, डॉ. डी.के. गुप्ता ने डिजिटल स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए सत्र का समापन किया। उन्होंने तेजी से डिजिटलाइजेशन और उभरती तकनीकों जैसे HMS, EMR, AI और रोबोटिक्स पर चर्चा की।

यह सत्र उत्तर प्रदेश और देश में स्वास्थ्य सेवा मानकों को उन्नत करने की प्रतिबद्धता के साथ समाप्त हुआ।

भारत में हर साल डेंगू के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। इनमें से कुछ की तो मृत्यु तक हो जाती है। डेंगू के बुखार को हड्डी तोड़ बुखार भी कहा जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। डेंगू मच्छर के द्वारा संचारित होने वाला बुखार कभी-कभी बेहद घातक भी होते है। इसके तीव्र लक्षण कभी-कभी कुछ समय बाद देखे या महसूस किए जाते हैं। हालांकि यदी इसकी पहचान समय पर कर ली जाती है, तब इसके बचाव या उपचार करने में मदद मिलती है। अब सवाल ये है कि आखिर डेंगू से बचने के उपाय क्या है। तो आइए एक्सपर्ट की राय के अनुसार जानते हैं कि डेंगू हो तो क्या करें और न करें...

डेंगू से बचने के उपाय

1. प्रायः डेंगू का मच्छर दिन के उजाले में काटता है। इसलिए दिन में मच्छरों के काटने से खुद को बचाना जरूरी है।
2. बारिश के दिनों में फुल ड्रेस पहने। जिसमें आपके हाथ-पैर ढकें हो। साथ ही पावों में जूते जरूर पहनें। शरीर को कहीं से भी खुला नहीं छोड़ना है।
3. घर के आसपास या अंदर पानी जमा जमने ने दें, इसका खास ख्याल रखें। कूलर, गमले, इत्यादि में जमे पानी को तुरंत बहा दें और सफाई करें
4. कूलर में यदि पानी है तो इसमें किरासन तेल डालें जिससे कि मच्छर न पनप पाये।
5. रोजाना मच्छरदानी का उपयोग करें।
6. पानी की टंकियों को सही तरीके से ढंकें।
7. यदि आपमें डेंगू के लक्षण नजर आ रहे तो भी आपको ये परहेज करना होगा। जिससे आपके शरीर का वायरस दूसरों तक न पहुं सके।
8. हल्के लक्षण नजर आते ही नजदीकी डॉक्टर की सलाह लें, खून में प्लेटलेट्स की जांच जरूर कराएं।
9. रोगी को लगातार पानी पीलाते रहें, इससे पानी की कमी नहीं होगी। नसों के जरिए भी रोगी को तरल दिया जाता है।
10. डेंगू होने पर पपीते के पत्तों का जूस, खट्टा फल, नारियल पानी और हल्दी कै सेवन करना चाहिए

डेंगू होने पर क्या करें और न करें

डेंगू होने पर ज्यादा से ज्यादा पानी और तरल पदार्थ खानें में लें। सादा खाना खाएं। चिकित्सक की सलाह के बिना दवा न लें। तेज बुखार, उल्टी, नाक-हुंह से खून निकलने या काले रंग का मल होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। वैसे मरीजों से ज्यादा सावधानी रखने की जरूरत हैं जिनकों पहले भी डेंगू हो चुका है। डेंगू में पपीते का पत्ता और बकरी का दूध नहीं सेवन करना चाहिए।

विनेश फोगाट : आपने इतिहास रचा है

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

जीवन में हार जीत तो चलती रहती हैं, लेकिन हार कर जीत जाना ही असली जीत है, ऐसा ही कुछ पेरिस ओलंपिक में महिला पहलवान विनेश फोगाट के साथ हुआ। बेशक वो मेडल से चूक गईं लेकिन उनकी तारीफ में कसीदे हर कोई पढ़ रहा है और इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम सबसे ऊपर है।

पीएम मोदी ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने और ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनने के लिए विनेश फोगाट की खूब प्रशंसा की।

पेरिस ओलंपिक में भारत के खाते में कुल 6 मेडल आए (जिनमें 5 ब्रॉन्ज और 1 सिल्वर) है। खेलों के महाकुंभ से स्वदेश लौटे भारतीय खिलाड़ियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की। इससे पहले पीएम मोदी ने इन सभी को लाल किले पर हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह में आमंत्रित भी किया था।

भारत की मेडल की टैली में एक गोल्ड या सिल्वर और जुड़ सकता था लेकिन फाइनल मैच और पेरिस ओलंपिक से विनेश फोगाट के डिसक्वालीफाई होने से ये उम्मीद टूट गई।

पेरिस ओलंपिक से आए भारतीय दल से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने विनेश की खास उपलब्धि पर कहा, "विनेश कुश्ती के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, जो हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है।"

बता दें, पीएम मोदी ने इससे पहले भी विनेश की सराहना करते हुए उनके समर्थन में एक पोस्ट शेयर किया था।

पेरिस ओलंपिक फाइनल से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद विनेश फोगाट की संयुक्त सिल्वर मेडल की अपील को भी खारिज कर दिया गया है। ये सारा मामला '100 ग्राम' से जुड़ा है, जो इस धाकड़ महिला पहलवान के लिए 'जी का जंजाल' बन गया। पेरिस में गोल्ड मेडल पाने के लिए एक ही दिन में विनेश ने तीन धुरंधर पहलवानों को पटखनी दी, लेकिन नियमों के आगे हार गईं।

50 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में फाइनल में पहुंचने के बाद मात्र '100 ग्राम' अधिक वजन होने के कारण विनेश को डिसक्वालीफाई कर दिया गया।

'मां मैं हार गई और कुश्ती जीत गई...', पेरिस ओलंपिक के दौरान ही यह बात कहकर विनेश फोगाट ने संन्यास का ऐलान किया था।

विनेश ने इसके विरुद्ध अपील दायर की और उन्हें संयुक्त सिल्वर मेडल दिए जाने की मांग की गई थी। विनेश ने रिंग के बाहर सिल्वर मेडल के लिए 8 दिन तक कानूनी लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्हें यहां हार झेलनी पड़ी।

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ की गई अपील खारिज कर दी है। विनेश का ये मामला न्यायसंगत और उचित मानकों की आवश्यकता की सख्त याद दिलाता है।

हरियाणा की इस पहलवान के नाम तीन कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड, दो वर्ल्ड चैंपियनशिप ब्रॉन्ज और एक एशियाई खेलों का गोल्ड मेडल है। उन्हें 2021 में एशियाई चैंपियन का ताज भी पहनाया गया था।

बीसीसीआई ने महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी का प्रस्ताव ठुकराया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तरफ से दिए गए महिला टी 20 विश्व कप की मेजबानी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। आईसीसी को अब मेजबानी पर अंतिम फैसला 20 अगस्त को लेना है।

3 से 20 अक्तूबर के बीच होने वाली इस प्रतियोगिता की मेजबानी से पीछे हटने के बाद श्रीलंका और यूएई दूसरे विकल्प बचे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा, "उन्होंने (आईसीसी) हमारे सामने विश्व कप की मेजबानी का प्रस्ताव रखा था। लेकिन मैंने साफ तौर पर मना कर दिया, हमारे यहां ये समय बरसात का है और उससे अहम है कि अगले साल हमें ही विमेंस वनडे विश्व कप की मेजबानी करनी है। मैं किसी को भी गलत संदेश नहीं देना चाहता कि हम लगातार दो विश्व कप की मेजबानी करना चाहते हैं।"

बांग्लादेश इस समय सरकार विरोधी आंदोलनों के कारण हिंसा और सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है, और यही वजह है कि आईसीसी बांग्लादेश की जगह किसी और को मेजबानी देने पर विचार कर रही है। बांग्लादेश में कई लोगों की मौत हो गई है और उनकी प्रधानमंत्री शेख हसीना को गद्दी से हटा दिया गया है।

आईसीसी के एक अधिकारी ने इस सप्ताह की शुरूआत में कहा था कि बांग्लादेश की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और सभी विकल्प खुले रखे गए हैं। आईसीसी के एक बयान में कहा गया था, "हम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी), उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ समन्वय में वहां हो रही गतिविधियों की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और भलाई है।"

जबकि बांग्लादेश में नई अंतरिम सरकार टूर्नामेंट को बचाने के लिए अंतिम प्रयास कर रही है, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत सहित कई भाग लेने वाली टीमों की सरकार द्वारा जारी की गई यात्रा सलाह बीसीबी के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है।

सुरक्षा चुनौतियों के अलावा, बीसीबी भी संकट में है। उनके अध्यक्ष और पूर्व खेल मंत्री नजमुल हसन 5 अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से प्रभावी रूप से कार्यालय से बाहर हैं। कई बोर्ड निदेशक, जिनके राजनीतिक संबंध हैं, वह भी संपर्क में नहीं हैं।

बांग्लादेश की पुरुष टेस्ट टीम इस समय दो मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान दौरे पर है। बांग्लादेश में आंदोलन के कारण अभ्यास बाधित होने के बाद वे प्रस्तावित पाकिस्तान दौरे से कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान पहुंच गए। बांग्लादेश की पुरुष टीम अगले महीने दो टेस्ट और तीन टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करने वाली है।

बांग्लादेश के भारत दौरे को लेकर शाह ने कहा, "हमने उनसे (बांग्लादेश अधिकारियों से) बात नहीं की है। वहां एक नई सरकार ने कार्यभार संभाला है। वे हमसे संपर्क कर सकते हैं या फिर मैं उनसे संपर्क करूंगा। बांग्लादेश श्रृंखला हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।"

सचिन 2.15 करोड़ में सबसे महंगे खिलाड़ी बने

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए मुंबई में हुई खिलाड़ियों की नीलामी के पहले दिन सचिन सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे। उन्हें तमिल थलाइवाज ने 2.15 करोड़ रुपये में खरीदा था। मोहम्मदरेजा शादलुई चियानेह नीलामी के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बनकर उभरे, जिन्हें हरियाणा स्टीलर्स ने 2.07 करोड़ रुपये में खरीदा। वह लगातार खिलाड़ियों की नीलामी में 2 करोड़ रुपये से अधिक में खरीदे जाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए।

12 फ्रेंचाइजी टीमों को कुल 20 खिलाड़ी बेचे गए, जिसमें पहले दिन तीन फाइनल बिड मैच (एफबीएम) कार्ड का इस्तेमाल किया गया। बंगाल वारियर्स, तेलुगु टाइटंस और गुजरात जायंट्स ने क्रमशः मनिंदर सिंह, पवन सहरावत और सोमबीर के लिए एफबीएम कार्ड का इस्तेमाल किया।

पीकेएल के सितारों ने तोड़ा रिकॉर्ड!

इस खिलाड़ी नीलामी में पीकेएल के इतिहास में 1 करोड़ रुपये के क्लब में रिकॉर्ड संख्या में खिलाड़ी शामिल हुए। गुरुवार को हुई प्लेयर ऑक्शन में सचिन, मोहम्मदरेजा शादलुई चियानेह, गुमान सिंह, पवन सहरावत, भरत, मनिंदर सिंह, अजिंक्य पवार और सुनील कुमार 1 करोड़ क्लब का हिस्सा थे। 1.15 करोड़ रुपये में यू मुंबा में गए सुनील कुमार अब तक के सबसे महंगे भारतीय डिफेंडर बन गए।

पीकेएल के इतिहास में सबसे अधिक रेड पॉइंट वाले खिलाड़ी – प्रदीप नरवाल को बेंगलुरु बुल्स ने 70 लाख रुपये में खरीदा, इस बीच, अनुभवी डिफेंडर सुरजीत सिंह को जयपुर पिंक पैंथर्स ने 60 लाख रुपये में खरीदा।

कार्यक्रम के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स की ओर से बोलते हुए, लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, पीकेएल सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन में कई रिकॉर्ड टूटते हुए देखना बिल्कुल रोमांचक था। हमें यह देखकर गर्व महसूस हो रहा है कि आज आठ खिलाड़ियों ने एक करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया और सुनील अब तक के सबसे महंगे भारतीय डिफेंडर बन गए। रोमांचक खरीदारी दूसरे दिन भी जारी रहेगी और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।"

बेंगलुरु बुल्स में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर, पीकेएल के सबसे सफल रेडर प्रदीप नरवाल ने कहा, "अपनी पीकेएल यात्रा में जिस टीम के साथ मैंने शुरूआत की थी, उसमें वापस जाना वास्तव में अच्छा लग रहा है। मैं बुल्स की ओर से युवा खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए उत्सुक हूं। मैं अपने करियर में 1800 रेड प्वाइंट पार करने की उम्मीद कर रहा हूं।"

इस बीच, 1.15 करोड़ रुपये में बंगाल वॉरियर्स में वापस जाने वाले मनिंदर सिंह ने कहा, "मैं वापस आकर बहुत खुश हूं। मैं पिछले सीजन से भी बेहतर प्रदर्शन करूंगा और बंगाल वॉरियर्स हमेशा मेरे लिए घर जैसा रहा है। एक परिवार की तरह और मैंने उनके साथ 6 साल तक खेला है, इसलिए मैं वापस आकर बहुत खुश हूं।"

जूनियर पुरुष अकादमी हॉकी चैम्पियनशिप: पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने पुरुष वर्ग का खिताब जीता

राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने फाइनल में ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर को यहां मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में जोन ए और बी में 8-3 से हराकर दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप 2024 के अंतिम दिन पुरुष वर्ग का खिताब जीता।

दिन के पहले मैच में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर को हराकर प्रतियोगिता में अपना वर्चस्व स्थापित किया।

राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी के लिए, सुमित राजभर (6'), अमनदीप (11', 36'), गुरसेवक सिंह (17', 26'), इंद्रजीत सिंह (38'), अर्शदीप सिंह (43') और अर्जनदीप सिंह (59') गोल करने वाले खिलाड़ी थे, जबकि प्रताप टोप्पो (10'), बिलकन ओरम (28') और हरीश सिंह लीतानथेम (50') ने ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के लिए गोल किए।

तीसरे/चौथे स्थान के लिए हुए मैच में नामधारी इलेवन ने एसजीपीसी हॉकी अकादमी को 5-3 से हराया। नामधारी क के लिए उनके कप्तान नवराज सिंह (17', 19', 31', 37', 55') ने पांचों गोल दागे, जबकि एसजीपीसी हॉकी अकादमी के लिए हर्षदीप सिंह (12'), प्रभजोत सिंह (38') और दिलजीत सिंह (50') ने गोल किए।

इससे पहले, ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर ने राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी को 2-2 (5-3 शूट आउट) से हराकर महिला वर्ग का खिताब जीता।

ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के लिए, प्रभजोत कौर (34') और सुरेखा बहला (54') ने गोल किए, जबकि राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी के लिए रूबी (14') और रिबका (45') ने गोल किए।

शूटआउट में, चेतना रानी दास ने दो बार गोल किया, प्रभजोत कौर, आनंदिता टोप्पो और पटेल प्रज्ञा ने भी अपने गोल बदले, जबकि राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी के लिए, नमनीत कौर और नेहा ने अपने गोल बदले।

मेरे मम्मी-पापा ने मेरी पहली सैलरी को फ्रेम कराया शरवरी वाघ

एक्ट्रेस शरवरी वाघ की बॉक्स ऑफिस पर हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'मुंज्या' को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई, उन्होंने फिल्म में बेला का किरदार अदा कर फैंस का दिल जीता। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उनके माता-पिता ने उनकी पहली तनख्वाह को फ्रेम में सजाया हुआ है।

शरवरी ने आईएमडीबी से बात करते हुए कहा, "जब मैं असिस्टेंट डायरेक्टर थी, तो मुझे अपनी पहली सैलरी मिली, और मेरे माता-पिता ने उस सैलरी को फ्रेम करवाया था और उसके नीचे एक बहुत प्यारा नोट लिखा था। इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरी सबसे बेशकीमती संपत्ति है।"

एक्ट्रेस को हाल ही में आईएमडीबी 'ब्रेकआउट स्टार' स्टारमीटर अवॉर्ड मिला।

जब उनसे उनके पसंदीदा हॉलिडे सीजन के बारे में पूछा गया, तो शरवरी ने गणेश चतुर्थी के लिए अपने प्यार का इजहार किया।

उन्होंने कहा, "आम तौर पर मेरी पसंदीदा छुट्टी गणेश चतुर्थी है। मुझे अपने पैतृक स्थान मोरगांव जाना बहुत पसंद है। यह मेरे काम से मिलने वाला सबसे अच्छा समय है और मुझे वह जगह बहुत पसंद है। हर साल मैं गणेश चतुर्थी के दौरान समय निकालती हूं और अपने पैतृक स्थान जाती हूं। वह मेरी अब तक की सबसे अच्छी छुट्टी होती है। वहां हमारा एक घर है, जिसे वाडा कहा जाता है और यह 100 साल से भी ज्यादा पुराना है।"

उन्होंने बताया कि उन्हें 'जोधा अकबर' बहुत पसंद है और बचपन में वह इस फिल्म की दीवानी थीं।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मैं इसे कभी भी फिर से देख सकती हूं। मुझे इसके डायलॉग याद है, मुझे कॉस्ट्यूम और जोधा अकबर के सेट पर मौजूद सभी लोग बहुत पसंद हैं। ऐश्वर्या राय मैम का किरदार मेरा पसंदीदा रोल हैं।"

किम कार्दशियन ने बहन काइली जेनर को लिखा प्यार भरा संदेश

रियलिटी टेलीविजन स्टार किम कार्दशियन ने अपनी बहन काइली जेनर के जन्मदिन पर उन्हें दिल से बधाई दी। खूबसूरत मैसेज के साथ हैप्पी बर्थडे कहा।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी बहनों के साथ तस्वीरें शेयर की। जिसमें उनकी किशोरावस्था की कई पुरानी तस्वीरें भी शामिल थीं।

किम कार्दशियन ने कैप्शन में लिखा, "मैं ब्रह्मांड को आप जैसी प्यारी बहन देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। आपकी दयालुता और प्यार सबसे बड़ा उपहार है जिसे मैं कभी भी मांग सकती हूं। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, तुम छोटी सी जान हो, तुम अब 30 वर्ष की हो गई हो।"

किम गारमेंट कंपनी स्किम्स की संस्थापक हैं, उनकी एक बड़ी बहन कोर्टनी, एक छोटी बहन ख्लो और एक छोटा भाई रॉब है। उनकी मां क्रिस जेनर ने 1991 में रॉबर्ट कार्दशियन से तलाक ले लिया था और ब्रूस जेनर से शादी कर ली, जो एक पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता डेकाथलीट थे।

क्रिस जेनर और ब्रूस जून 2013 में आपसी मतभेदों का हवाला देते हुए अलग हो गए। दिसंबर 2014 में उनके तलाक की शर्तों को अंतिम रूप दिया गया और 23 मार्च 2015 उनका तलाक हो गया। बाद में ब्रूस 2015 में एक ट्रांसवुमन के रूप में सामने आए।

किम ने 2003 में आर एंड बी गायिका और अभिनेत्री ब्रांडी की निजी स्टाइलिस्ट के रूप में अपना करियर शुरू किया, जो रे जे की बहन हैं। हालांकि उनका रे जे और ब्रांडी की मां के साथ झगड़ा हो गया, जिन्होंने आरोप लगाया था कि रियलिटी स्टार ने उनके क्रेडिट कार्ड से बिना अनुमति के खरीदारी की थी। इस खरीद को कार्दशियन परिवार के स्वामित्व वाले एक बुटीक से जोड़ा गया था। बाद में किम कार्दशियन अपनी बचपन की दोस्त पेरिस हिल्टन की पर्सनल स्टाइलिस्ट बन गईं। वह रियलिटी सीरीज 'द सिंपल लाइफ' के कई एपिसोड में नजर आईं। अक्सर वह हिल्टन के साथ इवेंट और पार्टियों में नजर आती थीं।

मुझे ऐसे ऑफर मिलते हैं जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं: कीर्ति कुल्हारी

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। वह ओटीटी पर भी कई अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं। इन दिनों वह अपकमिंग डिटेक्टिव ड्रामा 'शेखर होम' को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती।

कीर्ति ने कहा, "मैं ऐसी फीचर फिल्मों पर काम कर रही हूं, जो अभी रिलीज नहीं हुई हैं। मैं प्रोडक्शन के बारे में भी सोच रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और बदलाव की जरूरत है। मुझे ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती।"

उन्होंने कहा, "काम की क्वांटिटी कभी-कभी क्वालिटी को प्रभावित कर सकती है। ओटीटी और फिल्म स्टार्स के बीच का अंतर खत्म किया जाना चाहिए। सभी को समान रूप से पहचाना जाना चाहिए। इस सीरीज में मेरा रोल रिफ्रेशिंग चेंज है, इसमें डिटेक्टिव एलिमेंट्स को कॉमेडी के साथ जोड़ा गया है और यह मेरे पिछले काम की तुलना में कुछ नया है।"

'शेखर होम' में के. के. मेनन जासूस शेखर होम का रोल निभा रहे है, जबकि कीर्ति कुल्हारी का किरदार शो के सस्पेंस और कॉमेडी में तड़का लगाने का काम कर रहा है। इस सीरीज में दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और अपराध जैसे रोमांचक ट्विस्ट है।

इसमें रणवीर शौरी जयव्रत साहनी की भूमिका में हैं। 'शेखर होम' का प्रीमियर 14 अगस्त से जियो सिनेमा प्रीमियम पर हुआ।

एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो कीर्ति ने 2010 में फिल्म 'खिचड़ीः द मूवी' से अपने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह 'शैतान', 'सुपर से ऊपर', 'जल' जैसी फिल्मों में नजर आईं।

कीर्ति को 2016 की लीगल थ्रिलर फिल्म 'पिंक' में फलक के किरदार में देखा गया। इसका निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया और फिल्म की कहानी शूजित सरकार, रितेश शाह और अनिरुद्ध ने लिखी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी जैसे कलाकारों ने काम किया था।

इसके बाद उन्होंने 'इंदु सरकार' में लीड रोल निभाया और 'ब्लैकमेल' में भी नजर आईं।

कीर्ति ने जगन शक्ति द्वारा निर्देशित 'मिशन मंगल' में काम किया, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के जीवन पर आधारित थी। इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन, सोनाक्षी सिन्हा, तापसी पन्नू, नित्या मेनन और शरमन जोशी लीड रोल में थे।

एक्ट्रेस ने 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक', 'द गर्ल ऑन द ट्रेन', 'शादीस्थान' और 'खिचड़ी 2: मिशन पंथुकिस्तान' में काम किया।

वह 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!', 'बार्ड ऑफ ब्लड', 'क्रिमिनल जस्टिसः बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स' और 'ह्यूमन' जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes